राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 71 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, सोमवार 19 जनवरी 2026 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

पंजाब के किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी, बार्डर पर बेरोकटोक खेती का रास्ता होगा साफ- सीएम भगवंत

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और पंजाब से संबंधित विभिन्न लंबित मुद्दों के जल्द और समयबद्ध समाधान के लिए विचार-विमर्श किया, जिनमें सीमावर्ती सुरक्षा प्रबंध, कृषि संकट, अंतरराज्यीय पानी संबंधी विवाद और केंद्र द्वारा ग्रामीण विकास फंड के बकाए की अदायगी में देरी शामिल है। इसके साथ ही सीमावर्ती सुरक्षा दीवार जीरो लाइन से काफी दूर होने के कारण किसानों को पेश मुश्किलों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय सीमा और कंटीली तार के बीच पड़ने वाली कृषि योग्य भूमि के बड़े हिस्से पर चिंता व्यक्त की, जिसके कारण किसानों को अपने खेतों तक पहुंचने के लिए रोजाना इसे पार करना पड़ता है। पंजाब के मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित बीज बिल 2025, अनसुलझे सतलुज यमुना लिंक (एस.वाई.एल) विवाद, एफ.सी.आई. द्वारा अनाज की धीमी ढुलाई, आढ़तिया कमीशन रोकने, ग्रामीण विकास फंड (आर.डी.एफ.) और मार्केट फीसों का भुगतान न करने और चंडीगढ़ प्रशासन में पंजाब की भूमिका को घटाने संबंधी पंजाब के एतराज उठाते हुए इन मुद्दों के तुरंत और समयबद्ध समाधान की मांग की। प्रस्तावित बीज बिल 2025 पर गंभीर एतराज उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब एक कृषि प्रधान राज्य है और देश के अन्न भंडार में महत्वपूर्ण योगदान देता है, फिर भी बीज बिल का खाका संबंधित धारा तहत शेड्यूल अनुसार राज्य की प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित नहीं बनाता।

दिल्ली से बागडोगरा जा रहे विमान को बम से उड़ाने की धमकी, लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ । दिल्ली से बागडोगरा जा रही इंडिगो एयरलाइंस की एक उड़ान में बम होने की सूचना से रविवार को हड़कंप मच गया। विमान संख्या 6ई 6650 को एहतियातन लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। सूचना मिलते ही एयरपोर्ट प्रशासन, सुरक्षा एजेंसियां और एयरलाइंस प्रबंधन अलर्ट मोड पर आ गए। जानकारी के अनुसार इंडिगो का यह विमान दिल्ली से बागडोगरा के लिए रवाना हुआ था। उड़ान के दौरान विमान में बम होने की सूचना मिली, जिसके बाद पायलट ने तत्काल एयर ट्रैफिक कंट्रोल को इसकी जानकारी दी। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विमान को लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारने का निर्णय लिया गया। विमान के लखनऊ पहुंचते ही रनवे पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम कर दिए गए। लैंडिंग के तुरंत बाद सुरक्षा कर्मियों ने विमान को चारों ओर से घेर लिया। बम निरोधक दस्ता, सीआईएसएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की टीम मौके पर पहुंच गई। सभी यात्रियों और क्रू मेंबर्स को सुरक्षित तरीके से विमान से बाहर निकाला गया। यात्रियों की बारीकी से स्क्रीनिंग की गई और उनके सामान की भी जांच शुरू की गई। जांच प्रक्रिया के दौरान एयरपोर्ट पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा, हालांकि सुरक्षा एजेंसियों ने स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित रखा। यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर बैठाया गया और उन्हें किसी भी तरह की घबराहट न फैलाने की अपील की गई। एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से यात्रियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। बम निरोधक दस्ते और सीआईएसएफ टीम ने विमान के अंदर और बाहर सघन तलाशी अभियान चलाया। सीटों, लगेज कंपार्टमेंट, कॉकपिट और कार्गो एरिया की गहन जांच की गई। प्रारंभिक जांच में किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु मिलने की पुष्टि नहीं हुई, हालांकि सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पूरी तरह से संतुष्ट होने के बाद ही आगे की कार्रवाई की गई।

मणिकर्णिका घाट पर एआई तस्वीरों और गुमराह करने वाले दावों पर एक्शन

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में मणिकर्णिका घाट पर चल रहे रीडेवलपमेंट काम से जुड़ी कथित एआई-जेनरेटेड तस्वीरों और गुमराह करने वाले दावों के सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद 8 एफआईआर दर्ज की गई हैं। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ये मामले तब दर्ज किए गए जब कथित तौर पर मनगढ़ंत वीडियो और पोस्ट ऑनलाइन सर्कुलेट होने लगे और उन पर काफी ध्यान गया और उनकी आलोचना हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एफआईआर में 8 लोगों के साथ-साथ कुछ एक्स हैंडल को भी टारगेट किया गया है, जिन पर मणिकर्णिका घाट पर चल रहे सौंदर्यीकरण के काम के बारे में झूठे वीडियो और गलत जानकारी फैलाने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, मणिकर्णिका घाट पर चल रहे रीडेवलपमेंट के काम के तथ्यों के विपरीत मनगढ़ंत तस्वीरें और गुमराह करने वाला कंटेंट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया गया था। अधिकारियों ने आरोप लगाया कि कुछ तस्वीरों में हिंदू देवी-देवताओं को गलत तरीके से दिखाया गया था, जिसका मकसद धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना, गलत जानकारी फैलाना, जनता में गुस्सा पैदा करना और सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ना था।

ईरानी हुकूमत ने आतंकियों को ठहराया जिम्मेदार

ईरान के हिंसक प्रदर्शनों में 5000 लोगों की मौत

विदेशी साजिश का आरोप क्यों लगा रहा है तेहरान?

तेहरान(एजेंसी)। ईरान में जारी हिंसक प्रदर्शनों ने देश को हिला कर रख दिया है। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, देशभर में हुए प्रदर्शनों में अब तक कम से कम 5000 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में करीब 500 सुरक्षाकर्मी भी शामिल बताए गए हैं। सरकार ने आरोप लगाया है कि इन घटनाओं के पीछे आतंकवादी और हथियारबंद दंगाई हैं, जिन्होंने आम नागरिकों को निशाना बनाया।

ईरानी अधिकारी के अनुसार, ये प्रदर्शन 28 दिसंबर को आर्थिक बदहाली, महंगाई और बेरोजगारी के विरोध में शुरू हुए थे। शुरुआत में लोग रोजमर्रा की परेशानियों को लेकर सड़कों पर उतरे थे। लेकिन दो हफ्तों के भीतर हालात तेजी से बिगड़ गए और आंदोलन ने राजनीतिक रूप ले लिया। कई शहरों में सरकार विरोधी नारे लगे और धार्मिक शासन को खत्म करने की मांग उठने लगी।

अधिकारियों का कहना है कि अब तक सामने आए मौत के आंकड़े पूरी तरह से सत्यापित हैं। सरकार का दावा है कि अंतिम मृतक संख्या में बहुत ज्यादा इजाफा होने की संभावना नहीं है। प्रशासन का कहना है कि कई जगहों पर हिंसा इस हद तक बढ़ गई कि हालात काबू से बाहर हो गए और सुरक्षाबलों को सख्त कदम उठाने पड़े।

ईरान में हुई हिंसा के लिए तेहरान विदेशी साजिश का आरोप लगा रहा है।

ईरानी नेतृत्व का कहना है कि विरोध प्रदर्शन स्वत:स्फूर्त नहीं थे।

सर्वोच्च नेता खामेनेई ने अमेरिका और इस्राइल पर अशांति भड़काने का आरोप लगाया। खामेनेई ने माना कि प्रदर्शनों में कई हजार लोगों की मौत हुई है। सरकार के मुताबिक बाहरी ताकतों ने देश के अंदर मौजूद असंतोष का फायदा उठाया।

तेहरान का दावा है कि हालात बिगाड़ने के लिए विदेशी एजेंसियां सक्रिय रहीं।

1979 की क्रांति के बाद सबसे घातक उथल-पुथल

ईरानी अधिकारियों के अनुसार, यह हिंसा 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद सबसे घातक मानी जा रही है। तब से अब तक देश ने कई बार विरोध प्रदर्शन देखे हैं, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में मौतें पहले कभी नहीं हुईं। प्रशासन ने सुरक्षा बढ़ा दी है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़े कदम उठाने की बात कही है।

कड़े कदम और बढ़ी निगरानी

सरकार ने साफ किया है कि देश में शांति बहाल करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। साथ ही, सुरक्षाबलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है ताकि हालात और न बिगड़ें।

'दोष सिद्ध होने से पहले हर किसी को जमानत का अधिकार', जेएलएफ में बोले- पूर्व सीजेआई डी. वाई. चंद्रचूड़

जयपुर (एजेंसी)। पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ रविवार को जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि दोष सिद्धि से पहले जमानत एक मौलिक अधिकार होना चाहिए। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में अदालत का कर्तव्य है कि वह जमानत देने से पहले मामले की गहन जांच करे।

वरिष्ठ पत्रकार वीर संघवी ने जब उनसे उमर खालिद की जमानत याचिका खारिज होने पर सवाल किया तो चंद्रचूड़ ने कहा, 'हमारा कानून निर्दोषिता की धारणाओं पर आधारित है। कोई भी व्यक्ति तब तक दोषी नहीं माना जाएगा जब तक उसकी दोषसिद्धि न हो।' उन्होंने आगे कहा, 'यदि कोई व्यक्ति पांच या सात साल तक जेल में रहे और बाद में निर्दोष साबित हो जाए, तो उसके खोए हुए समय की भरपाई कैसे की जाएगी?'

पूर्व सीजेआई ने बताया कि जमानत केवल तब रोकी जा सकती है जब आरोपित फिर से अपराध करने का जोखिम हो। सबूतों में छेड़छाड़ का खतरा हो या जमानत का फायदा उठाकर कानून से बचने की संभावना हो। यदि ये तीनों शर्तें मौजूद नहीं हैं, तो जमानत अवश्य दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में अदालत की जिम्मेदारी है कि वह मामले की गहन जांच करे। चंद्रचूड़ ने यह भी कहा कि जिला और सत्र न्यायालयों द्वारा जमानत अस्वीकार करना चिंता का विषय है, क्योंकि न्यायाधीश डरते हैं कि उनकी ईमानदारी पर सवाल उठ सकता है।

यात्रियों से भरी बस पलटी, छह की मौत, कई यात्री घायल

झारखंड के लातेहार में बड़ा सड़क हादसा

रांची/ लातेहार (एजेंसी)। झारखंड के लातेहार जिले में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार महिलाओं समेत कम से कम छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 80 से अधिक लोग घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ, जब शादी में शामिल होने जा रहे यात्रियों से भरी एक बस पलट गई।

पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना महुआडांड़ थाना क्षेत्र के ओरसा बंगला डारा घाटी में हुई। बस छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले से लातेहार के महुआडांड़ में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रही थी। एक व्यक्ति की स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के दौरान मौत हो गई। लातेहार के पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने बताया कि हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जिनमें चार महिलाएं शामिल हैं। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। बाद में एक व्यक्ति की महुआडांड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के दौरान मौत हो गई।

बस में करीब 90 यात्री सवार थे

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर लातेहार के उपायुक्त को घायलों को बेहतर और समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) विपिन कुमार दुबे ने बताया कि 60 घायलों को महुआडांड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जबकि 20 से अधिक घायलों का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। इनमें से 32 गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर किया गया है। बस चालक विकास पाठक ने बताया कि बस में करीब 90 यात्री सवार थे। चालक के अनुसार, बस के ब्रेक फेल हो गए थे। हैंडब्रेक लगाने और इंजन बंद करने की कोशिश के बावजूद बस पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका, जिसके बाद बस पलट गई।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के काफिले को संगम तट जाने से रोका, पुलिस और शिष्यों में धक्का-मुक्की

प्रयागराज (एजेंसी)। संगम नगरी में मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया। ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के काफिले को पुलिस ने संगम तट की ओर बढ़ने से रोक दिया, जिससे मेला क्षेत्र में कुछ समय के लिए तनावपूर्ण स्थिति बन गई। पुलिस प्रशासन के अनुसार मौनी अमावस्या स्नान को देखते हुए मेला क्षेत्र को 'नो-व्हीकल जोन' घोषित किया गया है। इसी के तहत किसी भी बड़े काफिले या वाहन को आगे जाने की अनुमति नहीं दी जा रही थी। जब शंकराचार्य का काफिला रोका गया तो उनके समर्थकों और पुलिसकर्मियों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई, जो देखते ही देखते धक्का-मुक्की में बदल गई।

स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए समर्थकों को पीछे हटाया, जिससे संत समाज में नाराजगी देखी गई। घटना के बाद संगम क्षेत्र में गहमा-गहमी का माहौल बना रहा। मेला प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से मीडिया कर्मियों को भी कुछ समय के लिए क्षेत्र से हटाना शुरू कर दिया। अधिकारियों का कहना है कि शंकराचार्य ने पैदल संगम जाने का अनुरोध किया था, लेकिन उनके साथ बड़ी संख्या में अनुयायी होने के कारण भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न होने की आशंका थी।

दिल्ली-एनसीआर में कोहरे और प्रदूषण की दोहरी मार, एयरपोर्ट से लेकर सड़कों तक दिखा असर, एक्यूआई 466 तक पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में एक बार फिर वायु प्रदूषण और घने कोहरे ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। रविवार सुबह से ही राजधानी और एनसीआर के कई इलाकों में स्मॉग और कोहरे की मोटी परत छाई रही, जिससे दृश्यता बेहद कम हो गई। हालात ऐसे हैं कि सड़क, रेल और हवाई यातायात तीनों पर असर देखने को मिल रहा है।

बारापुला फ्लाईओवर, निजामुद्दीन, आईटीओ, मोती बाग और डीएनडी फ्लाईवे समेत कई क्षेत्रों से सामने आए दृश्यों में साफ नजर आया कि पूरा शहर धुएं और कोहरे की चादर में लिपटा हुआ है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, मोती बाग इलाके में वायु गुणवत्ता सूचकांक 466 दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। वहीं आईटीओ क्षेत्र में 443 रिकॉर्ड किया गया, जिसे भी गंभीर श्रेणी में रखा गया है। हालात बिगड़ने के बाद दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप के तहत सख्त पाबंदियां फिर से लागू कर दी गई हैं।

दिल्ली के साथ-साथ उत्तर भारत के कई हिस्सों में भी घना कोहरा छाया रहा। रविवार सुबह बेहद कम दृश्यता के कारण हवाई सेवाओं पर सीधा असर पड़ा, जिसके चलते एयरलाइंस और एयरपोर्ट प्राधिकरणों को यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी करनी पड़ी।

घने कोहरे की वजह से उड़ानों के समय में बदलाव की आशंका जताई गई है। एअर इंडिया ने कहा है कि कम दृश्यता का असर उसके पूरे नेटवर्क की उड़ानों पर पड़ सकता है। एयरलाइन के अनुसार, देरी, रूट बदलने या उड़ान रद्द होने की स्थिति में ग्राउंड स्टाफ यात्रियों को हर संभव सहायता देगा।

एअर इंडिया की फॉगकेयर पहल के तहत, जिन यात्रियों की फ्लाइट पर कोहरे का असर पड़ सकता है, उन्हें पहले ही सूचित किया जाएगा। ऐसे यात्री बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अपनी फ्लाइट की तारीख या समय बदल सकते हैं, या चाहें तो टिकट रद्द कर पूरी राशि वापस ले सकते हैं।

एयरलाइन ने यात्रियों से अपील की है कि वे एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले अपनी फ्लाइट की स्थिति जरूर जांच लें और अतिरिक्त समय लेकर यात्रा शुरू करें। एअर इंडिया ने स्पष्ट किया कि यात्रियों और क्रू की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। दिल्ली एयरपोर्ट अथॉरिटी ने भी यात्रियों को सलाह दी है कि चेक-इन और सुरक्षा जांच के लिए सामान्य से अधिक समय रखें। गणतंत्र दिवस की तैयारियों के चलते सुरक्षा व्यवस्था पहले से ही कड़ी की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, शनिवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 4.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.2 डिग्री कम है।

2021 में भी फ्रांस को ऑस्ट्रेलिया के साथ सबमरीन डील में नुकसान उठाना पड़ा था

राफेल को बड़ा झटका, इस देश ने लास्ट मिनट में रद्द की 29,000 करोड़ की डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और फ्रांस के बीच संभावित राफेल सौदे पर चर्चा तेज है। भारत लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये की लागत से फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह सौदे की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी चर्चा हो रही है। राफेल की तकनीकी क्षमताओं और अमेरिकी एफ-35 फाइटर जेट से उसकी तुलना भी लगातार की जा रही है। इसी बीच राफेल से जुड़ी एक नकारात्मक खबर सामने आई है, जिसमें फ्रांस की कंपनी दसॉल्ट एविएशन को एक बड़े अंतरराष्ट्रीय सौदे से हाथ धोना पड़ा है।

दरअसल, दसॉल्ट को उम्मीद थी कि दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया अपनी वायुसेना के लिए राफेल लड़ाकू विमानों का चयन करेगा। कोलंबिया पुराने हो चुके फाइटर जेट्स को बदलने की योजना पर काम कर रहा था और वहां के सैन्य अधिकारियों ने राफेल की क्षमताओं की खुलकर सराहना भी की थी। बताया जाता है कि दोनों पक्षों के बीच लगभग 2.96 बिलियन पाउंड, यानी करीब 27 हजार करोड़ रुपये की डील लगभग तय मानी जा रही थी और कागजी औपचारिकताएं भी काफी हद तक पूरी हो चुकी थीं। यदि यह सौदा होता, तो राफेल वहां इजरायली किर्फिर जेट्स की जगह लेता। हालांकि, अंतिम समय पर कोलंबिया सरकार ने राफेल की बजाय स्वीडन के ग्रिपेन लड़ाकू विमान को चुन लिया। आधिकारिक तौर पर राफेल को सौदा न मिलने के पीछे कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, स्वीडन की कंपनी ने कोलंबिया को कई आकर्षक प्रस्ताव दिए थे। इनमें लंबे समय तक औद्योगिक सहयोग, तकनीक हस्तांतरण, स्थानीय स्तर पर असेंबली की संभावना, कम परिचालन लागत और रखरखाव से जुड़े वादे शामिल थे।

ग्रिपेन को मध्यम आकार की वायुसेनाओं के लिए एक किफायती और आधुनिक लड़ाकू विमान के तौर पर पेश किया जाता है। यह अपेक्षाकृत हल्का और अधिक लचीला है, साथ ही राफेल और यूरोफाइटर टाइफून जैसे विमानों की तुलना में इसका संचालन खर्च भी कम बताया जाता है। कोलंबिया को यह भी लगा कि ग्रिपेन सौदे के जरिए वह अपने देश में फाइटर जेट निर्माण से जुड़ा एक इकोसिस्टम विकसित कर सकता है। इससे यह साफ होता है कि लड़ाकू विमान खरीदते समय केवल उनकी क्षमताएं ही नहीं, बल्कि उनके दीर्घकालिक संचालन और रखरखाव की लागत भी अहम भूमिका निभाती है।

कोलंबिया से झटका मिलने के बाद यह सवाल जरूर उठता है कि क्या राफेल की लोकप्रियता में कमी आ रही है। इससे पहले 2021 में भी फ्रांस को ऑस्ट्रेलिया के साथ सबमरीन डील में नुकसान उठाना पड़ा था, जब ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिका और ब्रिटेन को प्राथमिकता दी थी। हालांकि, इन घटनाओं के आधार पर यह कहना सही नहीं होगा कि राफेल की चमक फीकी पड़ रही है। राफेल को यूरोप से बाहर कई नए ग्राहक मिले हैं, जिनमें भारत सबसे प्रमुख है।

वर्तमान में राफेल का ऑर्डर बुक मजबूत स्थिति में है। अब तक करीब 300 राफेल विमान तैयार किए जा चुके हैं, जो फ्रांसीसी वायुसेना की ताकत का अहम हिस्सा हैं। फ्रांस के पास इस समय 234 राफेल विमान सेवा में हैं और लगभग 273 नए विमानों के ऑर्डर लंबित हैं। राफेल खरीदने वाले देशों में भारत, कतर, ग्रीस, क्रोएशिया और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। भारत अब तक फ्रांस से वायुसेना के लिए 36 राफेल और नौसेना के लिए 26 मरीन राफेल खरीद चुका है। इसके अलावा भारत 114 नए राफेल विमानों की एक और बड़ी डील की तैयारी में है, जिसकी अनुमानित लागत करीब 3.25 लाख करोड़ रुपये है।

सुबह 8.30 बजे तक 1.5 करोड़ ने लगाई आस्था की डुबकी

मौनी अमावस्या पर माघ मेले में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में मौनी अमावस्या के अवसर पर तड़के से ही श्रद्धालुओं का संगम तट पर पहुंचना जारी है। माघ मेले के तहत बड़ी संख्या में लोग गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में स्नान कर रहे हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सुबह 8 बजे तक एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा चुके थे। प्रशासन का अनुमान है कि इस पावन तिथि पर लगभग तीन करोड़ श्रद्धालु प्रयागराज पहुंच सकते हैं।

जानकारी के मुताबिक, सुबह 7 बजे तक करीब 75 लाख लोगों ने स्नान किया था, जबकि सुबह 4 बजे तक यह संख्या लगभग 50 लाख थी। इससे पहले शनिवार को भी करीब डेढ़ करोड़ श्रद्धालु संगम में स्नान के लिए पहुंचे थे। इस बार माघ मेले में श्रद्धालुओं की संख्या अनुमान से कहीं अधिक देखी जा रही है। माना जा रहा है कि जैसे-जैसे धूप तेज होगी, वैसे-वैसे स्नान करने वालों की संख्या में और इजाफा हो सकता है। इसे देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। यूपी एटीएस की गश्ती टीमें भी मेला क्षेत्र में तैनात की गई हैं। मौनी अमावस्या के मौके पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़े स्तर पर चेकिंग अभियान चलाया गया। सुरक्षा कर्मियों ने मेटल डिटेक्टर की मदद से माघ मेला क्षेत्र की सघन जांच की। भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार स्वयं पुलिस बल के साथ स्नान घाटों पर मौजूद रहे और स्नान के बाद श्रद्धालुओं से घाट खाली करने की अपील करते रहे, ताकि अन्य लोगों को भी स्नान का अवसर मिल सके। उनके साथ अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अजय पाल शर्मा भी तैनात रहे। प्रयागराज के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि मौनी अमावस्या को लेकर व्यापक और सुनियोजित व्यवस्थाएं की गई हैं। स्नान के बाद श्रद्धालुओं की वापसी भी सुचारू रूप से हो रही है।

बलेनो कार में गांजा परिवहन करने तथा रेनॉल्ट कार में पायलेटिंग करने वाले कुल 02 गांजा तस्कर 123 किलो 30 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार

सारंगढ़ बिलाईगढ (समय दर्शन)। जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के पुलिस अधीक्षक मआंजनेय वार्ष्णेय के द्वारा जिले के सभी थाना/चौकी प्रभारियों को जुआ, सट्टा, शराब, अवैध मादक पदार्थ गांजा में संलिप्त व्यक्तियों पर कड़ी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित करने पर अति0 पुलिस अधीक्षक श्रीमती निमिषा पाण्डेय एवं अति.पुलिस अधीक्षक अविनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रमोद यादव के कुशल नेतृत्व मे सरिया पुलिस को 123 किलो 30 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ 02 आरोपी को गिरफ्तार करने में सफ्लता प्राप्त हुई है। मुखबीर सुचना मिला कि एक बिना नंबर के बलेनो कार क्रमांक का चालक उड़ीसा से गांजा

लेकर सरिया होते हुए शहडोल जा रहा है तथा उसके आगे पीछे रेनॉल्ट ट्राईबर कार पायलेटिंग में चल रही है सूचना पर भुलुमुडा कच्ची रोड घेराबंदी कर दोनों कार को पकड़ा गया। बलेनो कार चालक से नाम पता पूछने पर अपना नाम शिवम् कुमार जायसवाल जिला शहडोल का होना बताया। गवाहों के समक्ष बलेनो कार की तलाशी लेने पर कार के अंदर 120 पैकेट में कुल 123 किलो 30 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा मिला। पायलेटिंग कर रहे रेनॉल्ट ट्राइबर कार चालक से नाम पता पूछने पर दिनेश नट जिला शहडोल का होना बताया। आरोपियों के कब्जे से 123 किलो 30 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा, 01नग बिना नंबर के बलेनो कार, 01 नग रेनॉल्ट ट्राइबर कार,एक नग जियो कंपनी के मोबाइल को जप्त कर आरोपियों के खिलाफथाना सरिया मे अपराध क्रमांक 12/2026 धारा 20 बी एनडीपीएस एक्ट पंजीबद्ध कर दोनों आरोपी को विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है । सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रमोद यादव ,सउनिसुमनचौहान ,मोतीलाल डनसेना प्र0आर0- सत्यम मंडलोई,अनिल साहू व समस्त स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

खबर-खास

लाफिन खुर्द एवं मचेवा में उपभोक्ता जागरूकता शिविर संपन्न

महासमुन्द (समय दर्शन)। जिला उपभोक्ता आयोग महासमुन्द द्वारा राज्य शासन के निर्देशानुसार आम उपभोक्ताओं को ई-हियरिंग एवं ई-फाइलिंग की सुविधा के संबंध में जागरूक करने हेतु 16 जनवरी को ग्राम लाफिन खुर्द एवं मचेवा में उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिला उपभोक्ता आयोग महासमुन्द के अध्यक्ष श्री गोपाल रंजन पाणिग्राही द्वारा पंचायत सभागृह में आयोजित शिविर में उपस्थित महिला एवं पुरुषों को ई-जागृति पोर्टल के माध्यम से ई-फाइलिंग एवं ई-हियरिंग की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों से भी अवगत कराया। शिविर के दौरान ग्राम लाफिन खुर्द की सरपंच श्रीमती जानकी साहू तथा ग्राम मचेवा की सरपंच श्रीमती प्रमिला संजय ध्रुव ने उपभोक्ताओं को वर्तमान समय में अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने हेतु प्रेरित किया

जिला उपभोक्ता आयोग के सदस्य गिरी श्रीवास्तव एवं श्रीमती टी. दुर्गा ज्योति राव द्वारा उपभोक्ता की परिभाषा, शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया तथा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों की विस्तार से जानकारी दी गई। वहीं आयोग के डी.एम.ए. युवराज साहू ने ई-फाइलिंग से संबंधित तकनीकी पहलुओं को सरल भाषा में समझाते हुए बताया कि किस प्रकार उपभोक्ता घर बैठे ही अपनी शिकायत न्यायालय तक ऑनलाइन माध्यम से पहुंचा सकते हैं। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत लाफिन खुर्द से पंचायत सचिव श्रीमती माधुरी चौहान एवं ग्राम पंचायत मचेवा से पंचायत सचिव बंसी पटेल, उपसरपंच जितेन्द्र कुमार साहू, कर्मचारी सती मेनन एवं देव प्रसाद ठाकुर सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सिरको राशन दुकान में हादसा, सहायक सेल्समैन की मौत

बसना (समय दर्शन)। बसना क्षेत्रांतर्गत के ग्राम सिरको स्थित शासकीय उचित मूल्य राशन दुकान में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, राशन दुकान में सहायक सेल्समैन गजेंद्र तांडी चावल खाली कराने के बाद सफाई कार्य कर रहा था। इसी दौरान वितरण के लिए आए भारी वाहन ट्रक ने पीछे की ओर से ठोकर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि सहायक सेल्समैन गजेंद्र तांडी गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्रक के टक्कर से दुकान की दीवार और चैनल गेट भी क्षतिग्रस्त हो गया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तुरंत 108 एंबुलेंस और बसना पुलिस को सूचना दी। घायल को शासकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को मर्च्यूरी भवन में रखवाया गया है। यह घटना शनिवार, 17 जनवरी की शाम करीब 4:40 बजे की बताई जा रही है। हादसे के बाद राशन दुकान की संरचना भी क्षतिग्रस्त अवस्था में है। बसना पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

नैतिक शिक्षा ही व्यक्ति सर्वांगीण विकास की पूंजी है - डॉ रेवाराम पाल

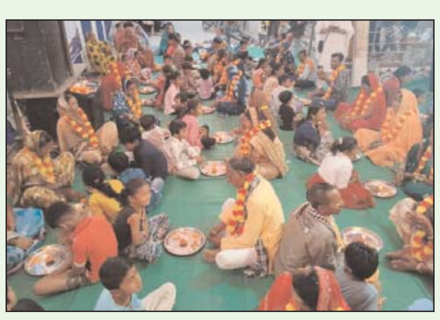

साजा (समय दर्शन)। आसाराम बापू आश्रम बेमेतरा छत्तीसगढ़ के तत्वधान में पूज्य बापू जी के साधकों द्वारा शुक्रवार की शाम को हर्षोल्लास के साथ मातृ-पितृ पूजन दिवस मनाया गया। यह आयोजन श्री अखंड नवधा रामायण प्रांगण ग्राम पलेनी व चीजगाँव में भव्य रूप से हुआ। आयोजन में ग्रामवासियों की सहभागिता रही। इस तरह के पवित्र आयोजन से ग्रामवासियों में भारतीय संस्कृति, समरसता एवं नैतिक शिक्षा का उद्गम होता है। आयोजन के प्रणेता संत आसाराम बापू का बहुत-बहुत आभार प्रकट किया। बापू के उद्देश्य से बुजुर्ग माता-पिता को पूज्यनीय बनाया। समाज में हो रही अमर्यादित व्यवहार एवं आदर सम्मान को जीवित रखने के लिए उनकी विचारधारा रही है। प्रति वर्ष 14 फरवरी को मातृ पितृ-पूजन आयोजन से लोफर व अय्याशी बन रहे युवाओं को माता पिता का शुभाशीष मिल रहे हैं एवं अनाथ आश्रमों में संख्या घट रही हैं। आयोजन में ग्राम पलेनी से संत आसाराम आश्रम, बेमेतरा संचालक अनुप आदव, मुक्ता साहू, खोमेंद्र सिन्हा,लता पटेल, दीनदयाल यादव,हनुमान सिंह वर्मा,झूलूराम वर्मा,मनोज वर्मा, पुरूषोत्तम वर्मा एवं ग्राम चीजगाँव से घनश्याम साहू, चिंताराम साहू,उत्तम कुमार साहू, अजय कुमार साहू, धीरज साहू समेत ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बालोद शहर के मधु चौक पर अधूरी नाली निर्माण से खतरे की घंटी, आम जनता की जान दांव पर

बालोद (समय दर्शन)। नगर के मधु चौक के पास लगभग 20 दिनों से नाली निर्माण कार्य अधूरे होने से नागरिकों और* *व्यापारियों की सुरक्षा गंभीर खतरे में है। निर्माण स्थल पर गहरे गड्ढे और खोदे हुए रास्ते छोड़ दिए गए हैं, जिससे किसी भी समय दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। लोगों ने बताया कि नाली निर्माण कार्य का कार्य आदेश जारी होने के बाद इसे बीच में ही रोक दिया गया और अब तक कोई जिम्मेदार अधिकारी या विभाग इसे पूरा करने के लिए नहीं आया है , नाली निर्माण स्थल पर कोई चेतावनी बोर्ड, रोड़ा या अन्य सुरक्षा उपाय नहीं लगाए गए हैं। इस स्थिति में राहगीर, बच्चे और वाहन चालकों की जान जोखिम में है जिसके कारण कभी भी दुर्घटना हो सकती है। मधु चौक के व्यापारीयों ने भी इस लापरवाही पर गहरी नाराजगी जताई है। रुद्रा सैलून के संचालक उमेश कुमार सेन सहित आसपास के सभी व्यापारियों ने कहा कि विभाग की बड़ी लापरवाही के कारण आम लोगों को रोजमर्रा की जिंदगी में परेशानी हो रही है। उनका कहना है कि यह अधूरी नाली उनके व्यापार और इलाके की सुरक्षा दोनों के लिए खतरा बन गई है। लोगों का सुझाव है कि तुरंत सुरक्षा उपाय किए जाएं और निर्माण कार्य को जल्द पूरा किया जाए। नागरिक और व्यापारी दोनों ही उम्मीद कर रहे हैं कि संबंधित विभाग तुरंत इस अधूरी नाली निर्माण को पूरा करने और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएगा।

कायाकल्प अवार्ड योजना में सीएचसी लोरमी प्रदेश में प्रथम

जिले का नाम हुआ रोशन, कलेक्टर ने दी बधाई

जिले के 39 स्वास्थ्य केन्द्रों को भी मिलेगा कायाकल्प सम्मान

मुंगेली(समय दर्शन)। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी कायाकल्प अवार्ड योजना के अंतर्गत जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), लोरमी ने छत्तीसगढ़ प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण, रोगी सुविधाओं और सेवा गुणवत्ता के उत्कृष्ट मानकों के आधार पर सीएचसी लोरमी को प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोषित किया गया है। कायाकल्प योजना के तहत प्रथम स्थान प्राप्त करने पर सीएचसी लोरमी को 15 लाख की नगद पुरस्कार राशि के साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। साथ ही 01 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 08 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और 30 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को भी कायाकल्प योजना में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया जाएगा। यह उपलब्धि स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार, स्वच्छ अस्पताल अभियान और गुणवत्तापूर्ण उपचार व्यवस्था की दिशा में किए गए समर्पित प्रयासों का परिणाम है।

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने इस उपलब्धि पर स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि, सीएचसी लोरमी का प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करना जिले के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफएवं समस्त स्वास्थ्य कर्मियों की टीमवर्क भावना, अनुशासन और जनसेवा के प्रति समर्पण का परिणाम है। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए इसी तरह निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.शीला साहा ने बताया कि कायाकल्प योजना का उद्देश्य शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन, संक्रमण नियंत्रण, बुनियादी ढांचे और मरीजों को उपलब्ध सुविधाओं में सुधार कर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना है। इस योजना के तहत नियमित मूल्यांकन के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले अस्पतालों को सम्मानित किया जाता है। सीएचसी लोरमी की इस उपलब्धि से जिले के अन्य स्वास्थ्य संस्थानों को भी उत्कृष्ट सेवाएं देने की प्रेरणा मिलेगी। डीपीएम गिरीश कुर्रे ने बताया कि इस सफलता को टीमवर्क, सतत निगरानी और शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम है।

तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव 01 फरवरी से, कलेक्टर सहित अधिकारियों ने लिया तैयारियों का जायजा

कलेक्टर ने तैयारी तेज करने के दिए निर्देश, ऑनलाइन पेंटिंग प्रतियोगिता का होगा आयोजन

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद जिले के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक नगरी सिरपुर में माघ पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाला तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव 01 से 03 फरवरी 2026 तक भव्य गरिमापूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से आयोजित करने अंतिम रूप दिया जा रहा है।महोत्सव की तैयारियों का जायजा लेने आज दोपहर 12 बजे कलेक्टर विनय कुमार लंगेह एवं जिला प्रशासन की टीम सिरपुर पहुंची और आयोजन स्थल सहित विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार, सिरपुर विकास प्राधिकरण के सीईओ धम्म शील गणवीर मौजूद थे।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री लंगेह ने आयोजन को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं जन सुविधाओं से युक्त बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और तैयारी तेज करने के निर्देश दिए। इस बार सिरपुर के वैभव और ऐतिहासिक महत्व को लेकर ऑनलाइन पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजन कर प्रविष्टियां आमंत्रित की जाएगी।

कलेक्टर श्री लंगेह ने महोत्सव स्थल, स्टेज, डोम में साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, पार्किंग, विद्युत व्यवस्था एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की चाक-चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य मंच तक पहुंचने वाले मार्गों को पर्याप्त चौड़ा रखने, सुगम आवागमन सुनिश्चित करने तथा दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डोम का निर्माण किया जा रहा है। कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि महोत्सव स्थल में विभागीय स्टॉल, स्व-सहायता समूहों के उत्पाद, वन उत्पाद, पर्यटन एवं संस्कृति से जुड़े स्टॉल लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सिरपुर एवं आसपास के स्थानीय व्यवसायियों, सरस मेला, स्व-सहायता समूहों तथा कारीगरों को स्टॉल आबंटन में प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे स्थानीय आजीविका को बढ़ावा मिल सके। स्टॉल ले-आउट के अनुरूप ही इस प्रकार तैयार किया जाए कि आगंतुकों को आसानी से भ्रमण करने की सुविधा मिले तथा आपातकालीन स्थिति में निकास मार्ग बाधित न हो।

महोत्सव के दौरान बॉलीवुड कलाकारों सहित स्थानीय एवं छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की आकर्षक छटा देखने को मिलेगी। इस अवसर पर प्रतिदिन महानदी आरती का आयोजन भी किया जाएगा। कलेक्टर ने मुख्य मंच को आकर्षक एवं सांस्कृतिक थीम आधारित साज सज्जा देने के निर्देश दिए। महोत्सव परिसर में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

साफ-सफाई एवं कचरा प्रबंधन हेतु स्थानीय पंचायत को जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रत्येक दिन कार्यक्रम समाप्ति के बाद कचरा उठाव अनिवार्य रूप से किया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग में भर्ती: कोरोना कालीन सेवाओं का अनुभव बनेगा आधार

मुंगेली(समय दर्शन)। स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के स्टाफनर्स, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक पुरुष-महिला, लैब सहायक सहित कुल 525 पदों की सीधी भर्ती हेतु प्रक्रिया जारी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान राज्य के शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में नियुक्त 06 माह का कार्य अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों को अनुभव प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

इस हेतु अभ्यर्थियों को संबंधित जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर 15 दिवस के भीतर अनुभव प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा। उन्होने बताया कि अभ्यर्थी उसी जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से अनुभव प्रमाण पत्र प्राप्त करेंगे, जहां उन्होंने कोरोना काल में कार्य किया हो। आवेदन के साथ नियुक्ति आदेश, ज्वाइनिंग एवं वेतन संबंधी प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। अभ्यर्थियों को 29 जनवरी तक कार्यालयीन समय में स्पीड पोस्ट के माध्यम से ही आवेदन जमा करना अनिवार्य है।

सरस्वती नायक बनी बंजारा सेवा संघ छीसगढ़ की प्रदेश उपाध्यक्ष

बसना(समय दर्शन)। ऑल इंडिया बंजारा सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष टी.सी. राठौर के निर्देशानुसार एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सदाशिव राम नायक के मार्गदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष अजय नायक द्वारा ऑल इंडिया बंजारा सेवा संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश पदाधिकारीयों का घोषणा करते हुए ऑल इंडिया बंजारा सेवा संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी पदाधिकारियों की सूची भी जारी किया गया है।

जिसमें नगर पंचायत खरोरा की पूर्व एल्डरमैन एवं ऑल इंडिया बंजारा सेवा संघ महिला प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ की पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती श्रवण नायक को आल इंडिया बंजारा सेवा संघ छत्तीसगढ़ मुख्य बॉडी की प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

श्रीमती सरस्वती श्रवण नायक महिला प्रकोष्ठ की कार्यकारी अध्यक्ष रहते हुए प्रदेश भर के सभी जिलों में महिला प्रकोष्ठ का विस्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और महिला शक्ति को सशक्त किया. जिसके परिणाम स्वरुप आज आल इंडिया बंजारा सेवा संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौपी गई है?

प्रदेश उपाध्यक्ष बनाने के बाद श्रीमती सरस्वती श्रवण जी ने बंजारा समाज के सभी प्रबुद्धजनों व स्वजातीय बन्धुओ का आभार माना।

उन्होंने आगे कहा कि ,हर व्यक्ति को समाज के प्रति निश्वार्थ भाव के कार्य करना चाहिए। समाज से ही हमारी पहचान है और समाज से जुड़ी है हमारी संस्कृति,, जिसे बरकार रखना है। संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे आना होगा।

हमारी संस्कृति, हमारी पहचान है इस नारे के साथ समाज के लोगों को जागरूक करना बेहद जरूरी है। आधुनिक युग के साथ लोग अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे है।

अपनी बोली भाषा में बात करने में शर्माना नहीं है, हमें अपनी संस्कृति बचाने के लिये ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

पेंशनर्स एसोसिएशन के वार्षिकोत्सव में शामिल हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल

अनुभवों को बताया नई पीढ़ी की प्रेरणा

पेंशनर्स का अनुभव नई पीढ़ी के लिए अनमोल धरोहर, समाज निर्माण में वरिष्ठों की भूमिका अहम: विधायक डॉ.+ संपत अग्रवाल

पिथौरा(समय दर्शन)। पिथौरा में पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा गरिमामयी 'वार्षिकोत्सव समारोह' का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

समारोह का आगाज़ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। आयोजन समिति ने विधायक डॉ. संपत अग्रवाल का पुष्पहारों और आत्मीय स्वागत के साथ अभिनंदन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने पेंशनर संघ के सभी सदस्यों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों और कर्मचारियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि आप सभी ने अपने सेवाकाल के

दौरान पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ समाज और शासन की सेवा की है। आपके इसी परिश्रम ने संगठन और समाज को सशक्त बनाया है। सेवानिवृत्ति केवल सेवा का अंत नहीं, बल्कि अनुभव के एक नए अध्याय की शुरुआत है।

विधायक डॉ. अग्रवाल ने आगे जोर देते हुए कहा कि बुजुर्गों और अनुभवी अधिकारियों का मार्गदर्शन आज की युवा पीढ़ी के लिए एक सशक्त प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि अनुशासन और कार्यकुशलता जो पेंशनर्स के पास है, वह किसी भी राष्ट्र के निर्माण के लिए अमूल्य है।

विधायक डॉ. अग्रवाल ने पेंशनर संघ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह संगठन एकता और सहयोग का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि पेंशनर्स के अधिकारों, सम्मान और हितों की रक्षा के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे।संगठन भविष्य में सकारात्मक सोच के साथ नई ऊँचाइयों को छुए, इसके लिए हर संभव सहयोग किया जाएगा। विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने आगे कहा कि सभी वरिष्ठजन एक स्वस्थ, सुखी और सम्मानपूर्ण जीवन व्यतीत करें, यही उनकी प्राथमिकता है।

विधायक ने अंत में पेंशनर संघ के समस्त पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वे अपनी एकता को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद भी सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहकर वे समाज को नई दिशा दे सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान पेंशनर्स एसोसिएशन ने भी अपनी मांगों और अनुभवों को साझा किया, जिस पर विधायक महोदय ने सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया।

इस गरिमामयी समारोह में प्रांताध्यक्ष पेंशनर संघ छत्तीसगढ़ यशवंत देवान,जनपद अध्यक्ष पिथौरा ऊषा पुरुषोत्तम घृतलहरे,जिला प्रवक्ता भाजपा महासमुंद स्वप्निल तिवारी,जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि सीताराम सिन्हा,जनपद सदस्य पुरुषोत्तम घृतलहरे,जनपद सदस्य कंवलजीत (पम्मी) छाबड़ा,संरक्षक, पेंशनर संघ पिथौरा शिवशंकर पटनायक,संरक्षक, पेंशनर संघ पिथौरा मुरली मनोहर शर्मा ,प्रांतीय महामंत्री भैयाराम चंद्राकर,प्रांतीय उपाध्यक्ष राधेलाल चंद्राकर, प्रांतीय प्रवक्ता बेदनाथ चंद्राकर,प्रांतीय प्रवक्ता सी. एल. विश्वकर्मा,एस.बी.आई. (स्व्क्छ), पिथौरा तिरथनाथ नाग ,जिला अध्यक्ष धमतरी वी के नाग,जिला अध्यक्ष रायपुर विद्यादेवी साहू,तहसील अध्यक्ष महासमुंद रामकुमार साहू,प्रांतीय उपाध्यक्ष शंकरलाल शर्मा,कार्यकारिणी अध्यक्ष (संचालन) यू. के. दास ,संरक्षक एवं पूर्व प्रांताध्यक्ष गंगाप्रसाद साहू,तहसील अध्यक्ष कसडोल आत्माराम साहू, तहसील उपाध्यक्ष कसडोल गणेशदंत साहू, विधायक प्रतिनिधि सुरेंद्र पांडे,किसान मोर्चा अध्यक्ष अजय डड़सेना,तहसील अध्यक्ष मगरलोड एन आर साहू ,पेंशनर संघ के पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

यूट्यूबर पर मंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी का आरोप

बलरामपुर। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक एवं मानहानिकारक टिप्पणी करने के मामले में यूट्यूबर आकांक्षा टोप्पो के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर शनिवार को भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा थाना प्रभारी बलरामपुर को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि यूट्यूबर द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता रामविचार नेताम के विरुद्ध अभद्र, अपमानजनक एवं मिथ्या कथनों को सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित किया जा रहा है, जिससे उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। ज्ञापन सौंपने वालों ने बताया कि दिनांक 17 जनवरी 2026 को आकांक्षा टोप्पो द्वारा फेसबुक एवं इंस्टाग्राम पर एक वीडियो प्रसारित किया गया, जिसमें मंत्री रामविचार नेताम के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया गया।

देश भर से आए ट्रैवल एजेंट्स और पर्यटन हितधारकों की भारी उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया

छत्तीसगढ़ पर्यटन का शानदार प्रचार ट्रैवल ट्रेड जर्नल (TTJ)पुणे 2026 में, ट्रैवल एजेंट्स ने दिखाई गहरी रुचि

रायपुर। छत्तीसगढ़ टूरिज़्म बोर्ड ने TTJ पुणे 2026 के दो दिवसीय आयोजन में मुख्य सहभागिता निभाते हुए राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों का प्रभावी प्रचार-प्रसार किया। देश भर से आए ट्रैवल एजेंट्स और पर्यटन हितधारकों की भारी उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ टूरिज़्म बोर्ड की उपमहाप्रबंधक श्रीमती पूनम शर्मा ने एक आकर्षक पीपीटी प्रस्तुतीकरण के जरिए राज्य के प्रमुख और उभरते पर्यटन स्थलों, उपलब्ध सुविधाओं तथा अपार पर्यटन संभावनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की। उनके प्रस्तुतीकरण में छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक धरोहर, वन्यजीव अभयारण्यों और एडवेंचर टूरिज्म के अवसरों को प्रमुखता से रेखांकित किया गया। उपस्थित ट्रैवल एजेंट्स और प्रतिनिधियों ने इसे अत्यंत सराहनीय बताते हुए खुलकर तारीफ की, जिससे राज्य पर्यटन की ब्रांडिंग को मजबूती मिली। छत्तीसगढ़ टूरिज़्म बोर्ड के साथ पंजीकृत ट्रैवल एजेंट्स ने भी पूरे उत्साह के साथ सहभागिता की। उन्होंने ब्रॉशर, फोल्डर और अन्य प्रचार सामग्री के माध्यम से राज्य के चित्रकूट जलप्रपात, बस्तर के आदिवासी संस्कृति, पर्यटन स्थलों और अन्य आकर्षणों की जानकारी साझा की। इस सक्रिय भागीदारी ने पर्यटन स्थलों को देशव्यापी स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आयोजन में स्टॉल पर लगातार भीड़ जुटी रही, जहां दर्जनों एजेंट्स ने मौके पर ही छत्तीसगढ़ टूरिज़्म बोर्ड के साथ पंजीकरण कराया तथा भविष्य में राज्य को प्रमुख टूर पैकेज में शामिल करने का आश्वासन दिया। यह आयोजन छत्तीसगढ़ को भारत का उभरता पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ। बोर्ड के अधिकारियों ने इसे राज्य पर्यटन विकास की नई ऊंचाइयों की शुरुआत बताया।

कच्चे मकान से पक्के आशियाने तक : प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली शिवानी के परिवार की जिंदगी

रायपुर। हर व्यक्ति के मन में एक सुन्दर सा आवास का सपना होता है फॉरेस्ट कॉलोनी, कोण्डागांव की निवासी श्रीमती शिवानी तिवारी और उनके पति श्री आशीष तिवारी वर्षों से कच्चे मकान में रहने को मजबूर थे। श्रीमती शिवानी तिवारी गृहणी हैं, जबकि श्री आशीष तिवारी मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। सीमित आय के कारण पक्का मकान बनाना उनके लिए केवल एक सपना था। बरसात के दिनों में घर से पानी टपकता था, फर्श में सीलन रहती थी और असुरक्षित वातावरण का सीधा असर बच्चों की पढ़ाई तथा पूरे परिवार के स्वास्थ्य पर पड़ता था।

नगर पालिका परिषद, कोण्डागांव की योजना टीम द्वारा किए गए सर्वे और मार्गदर्शन से उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के बारे में जानकारी मिली। योजना की पात्रता समझने के बाद उन्होंने आवश्यक दस्तावेज जमा कर आवेदन किया। स्वीकृति मिलते ही परिवार ने साहस के साथ अपने कच्चे मकान को तोड़कर पक्का घर बनाने का निर्णय लिया, क्योंकि उसी वर्ष उनकी बेटी की बारहवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा भी होनी थी और वे बच्चों को सुरक्षित वातावरण देना चाहते थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माण की प्रगति के अनुसार राशि किश्तों में सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त हुई। प्रत्येक चरण में जियो-टैग्ड फोटो अपलोड कर सत्यापन किया गया, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रही और निर्माण कार्य समय पर पूर्ण हो सका। इस सहयोग से उनका वर्षों पुराना सपना साकार हो गया।

पक्का मकान बनने के बाद शिवानी तिवारी के परिवार को अन्य शासकीय योजनाओं का भी लाभ मिला। उज्ज्वला योजना से गैस कनेक्शन, जल जीवन मिशन से नल-जल सुविधा, स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय एवं डस्टबिन, आयुष्मान भारत योजना से स्वास्थ्य सुरक्षा और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से राशन की सुविधा प्राप्त हुई। साथ ही राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि भी मिल रही है। इन सभी योजनाओं से परिवार के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आया है।

श्रीमती शिवानी तिवारी बताती हैं कि नया पक्का मकान उनके लिए केवल एक घर नहीं, बल्कि सम्मान और आत्मविश्वास का प्रतीक है। अब वे सामाजिक कार्यक्रमों में आत्मसम्मान के साथ भाग लेती हैं, बच्चों की पढ़ाई नियमित हो गई है, बीमारियों में कमी आई है और बार-बार मरम्मत की चिंता समाप्त हो गई है।

वीबी-जी राम जी योजना से करमरी में आत्मनिर्भरता को मिली नई दिशा

रायपुर। आदिवासी बहुल एवं कृषि आधारित आजीविका वाले मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले की ग्राम पंचायत करमरी में वीबी-जी राम जी (विकसित भारत ग्राम गारंटी) योजना के अंतर्गत आज जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और विकासोन्मुख नारों के साथ योजना का स्वागत किया। ग्रामीणों द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर आत्मनिर्भर गांव-विकसित भारत का संदेश भी दिया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत कन्वर्जेंस आधारित आजीविका डबरी जैसे कृषि, मछली तालाब निर्माण कार्यों का अवलोकन किया गया। ये कार्य कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, सीआरईडीए एवं वन विभाग के आपसी समन्वय से तैयार कार्य योजना के अनुसार संचालित किए जा रहे हैं। इन आजीविका डबरियों से मछली पालन, सिंचाई सुविधा, दलहन-तिलहन की खेती तथा उद्यानिकी गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। इससे आदिवासी एवं सीमांत किसानों को स्थायी आजीविका, खाद्य सुरक्षा और अतिरिक्त आय के अवसर उपलब्ध होंगे।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नम्रता सिंह ने ग्रामीणों को संबोधित किया। उन्होंने वीबी-जी राम जी योजना के उद्देश्यों, स्थानीय रोजगार सृजन और कन्वर्जेंस मॉडल की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर पर सक्रिय सहभागिता, पारदर्शिता और सामुदायिक स्वामित्व के बिना किसी भी योजना की सफलता संभव नहीं है, और वीबी-जीराम जी इन मूल सिद्धांतों पर आधारित है।

कार्यक्रम के दौरान हितग्राही श्री विनोद कुमार एवं श्री दलपत साई मेहरू राम को मछली जाल का वितरण किया गया। इससे मछली पालन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा और ग्रामीणों में स्वरोजगार के प्रति उत्साह बढ़ेगा। हितग्राहियों ने बताया कि योजना से प्राप्त सहयोग के माध्यम से वे मछली पालन के साथ-साथ दलहन-तिलहन की खेती भी करेंगे, जिससे उनकी आय में निरंतर वृद्धि होगी और परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनेगी ग्रामीणों ने वीबी-जीराम जी योजना को आदिवासी बहुल, कृषि-आधारित जिले के लिए सर्वांगीण विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। गांव आत्मनिर्भर होंगे, तभी भारत विकसित बनेगा के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

एनएचएआई ने ब्लैक-स्पॉट्स दुरुस्त किए, 200 करोड़ की परियोजनाएं प्रक्रिया में

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया—एनएचएआई) द्वारा चिन्हांकित ब्लैक-स्पॉट्स पर सुधार कार्य किए जा रहे हैं। अंडर-पास और सर्विस रोड निर्माण परियोजनाओं के लिए भी टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इसके लिए अन्य कार्यवाहियां भी प्रगति पर हैं।

एनएचएआई द्वारा सड़क सुरक्षा उपायों के तहत विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों पर रंबल स्ट्रिप्स, क्रैश बैरियर्स, सोलर ब्लिंकर, हाई-मास्ट लाइट्स तथा मानक साइन बोर्ड्स लगाए गए हैं। ये कार्य दुर्घटना संभावित स्थलों और व्यस्त मार्गों पर किए गए हैं।

यातायात प्रवाह को व्यवस्थित करने और राष्ट्रीय राजमार्ग पार करने वाले स्थानीय आवागमन को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से अंडर-पास और सर्विस रोड निर्माण की योजना बनाई गई है। राष्ट्रीय राजमार्गङ्क53 के दुर्ग से महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा खंड पर सुंदरा, पेंड्री, चिचोला, महाराजपुर और सोमनी गांवों में लगभग 90 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से अंडर-पास एवं सर्विस रोड निर्माण के लिए टेंडर जारी किए गए हैं।

इसके साथ ही रसमड़ा में लगभग 30 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से अंडर-पास निर्माण की प्रक्रिया चल रही है। राष्ट्रीय राजमार्गङ्क30 के रायपुरङ्कसिमगा खंड पर सांकरा और सिलतरा में 80 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत से अंडर-पास निर्माण तथा चरोदा में लगभग साढ़े छह करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बायपास क्रॉसिंग निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। इस प्रकार छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों पर कुल लगभग 206 करोड़ 85 लाख रुपये की अनुमानित लागत से अंडर-पास और सर्विस रोड से संबंधित परियोजनाएं विभिन्न चरणों में हैं। एनएचएआई इन कार्यों के माध्यम से राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात व्यवस्था और सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है।

सर्वे के दौरान पक्षियों की अच्छी विविधता देखने को मिली

बारनावापारा अभयाण्य में - बर्ड सर्वे 2026- का आयोजन,200 से अधिक पक्षी प्रजातियों का रिकॉर्ड दर्ज

रायपुर। देश के 11 राज्यों के प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा,अभयारण्य क्षेत्र में जैव विविधता का वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण, बर्डिंग कल्चर एवं इको पर्यटन को मिलेगा बढ़ावाबारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में 16 से 18 जनवरी 2026 तक बर्ड सर्वे 2026 का आयोजन किया गया। सर्वे के दौरान पक्षियों की अच्छी विविधता देखने को मिली। अब तक प्राप्त डेटा के अनुसार इस सर्वे में लगभग 202 पक्षी प्रजातियों का रिकॉर्ड दर्ज किया गया है। इस सर्वे में देश के 11 राज्यों महाराष्ट्र, ओड़िशा, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, केरल एवं कर्नाटक से आए 70 प्रतिभागियों, 12 वॉलंटियर्स, विशेषज्ञों एवं फोटोग्राफर्स सहित लगभग 100 लोगों की सहभागिता रही।यह बर्ड सर्वे केवल बारनवापारा अभ्यारण्य तक सीमित न होकर उसके आसपास से जुड़े कोठारी, सोनाखान एवं देवपुर परिक्षेत्रों में भी किया जा रहा है। सर्वे के दौरान प्रतिभागियों द्वारा संग्रहित पक्षी आंकड़े वैश्विक डाटाबेस का हिस्सा बनेंगे।अभयारण्य क्षेत्र में जैव विविधता का वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण, बर्डिंग कल्चर एवं इको पर्यटन को बढ़ावा देने में सहायक होगा। सर्वे में प्रमुख विशेषज्ञों में डॉ. हकीमुद्दीन एफ सैफी, डॉ. जागेश्वर वर्मा, मोहित साहू एवं श्री सोनू अरोरा की सहभागिता रही। सर्वे के आकर्षण बने प्रमुख प्रजातियां-इस सर्वे में विशेष रूप से कुछ प्रजातियाँ प्रतिभागियों के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहीं, जिनमें बार-हेडेड गूज उल्लेखनीय रही, जो प्राय: मध्य एशिया के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में प्रजनन करती है तथा सर्दियों में भारत सहित दक्षिण एशिया के जलाशयों और खेतों में देखी जाती है। इसी प्रकार आर्द्र घासभूमि, धान के खेतों, दलदली क्षेत्रों एवं नदी किनारे पाए जाने वाले ग्रे-हेडेड लैपविंग, शिकारी पक्षी प्रजाति पेरेग्रिन फाल्कन, ब्लू-कैप्ड रॉक थ्रश, यूरेशियन स्पैरोहॉक,वन पारिस्थितिकी में बीज प्रसार के लिए महत्वपूर्ण माना जाने वाला ऑरेंज-ब्रेस्टेड ग्रीन पिजन का अवलोकन भी आकर्षण का केंद्र बना।बर्ड सर्वे के सबंध में वनमण्डलाधिकारी गणवीर धम्मशील ने बताया कि बारनवापारा सेंट्रल छत्तीसगढ़ की जैव विविधता का प्रतिनिधित्व करता है, जहाँ मिश्रित एवं साल वनों के साथ विभिन्न प्रकार के पारिस्थितिक परिदृश्य मौजूद हैं। इस सर्वे से प्राप्त डेटा आगे चलकर अभयारण्य में आवश्यक प्रबंधन कार्ययोजनाओं की पहचान में सहायक होगा, खासतौर पर उन पक्षी प्रजातियों के संरक्षण कार्य में जिनकी संख्या में गिरावट देखी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

ओप्पो रेनो 15 सीरीज़ में तीन वैरिएंट लॉन्च किए

बिलासपुर। ओप्पो इंडिया ने अपनी प्रीमियम रेनो 15 सीरीज़ में तीन वैरिएंट, रेनो 15 प्रो, रेनो 15 प्रो मिनी , और रेनो 15 लॉन्च किए। यह सीरीज़ युवा यात्रा प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए तैयार की गई है। इसमें एडवांस्ड कैमरा सिस्टम, इंटैलिजेंट एआई और सटीक इंजीनियरिंग के साथ बेहतरीन डिज़ाइन दिया गया है। अपनी तरह की पहली होलो फ्यूज़न टेक्नोलॉजी और प्राकृतिक तत्वों से प्रेरित कलर फिनिश के साथ, रेनो 15 सीरीज़ में मजबूत बिल्ड क्वालिटी के साथ कॉम्पैक्ट और एर्गोनॉमिक फॉर्म फैक्टर है। रेनो 15 प्रो और रेनो 15 प्रो मिनी में असाधारण फोटोग्राफी के लिए 200MP का कैमरा दिया गया है, जो 50MP 3.5× ऑप्टिकल ज़ूम लेंस, 120× तक डिजिटल ज़ूम, प्योर टोन इमेजिंग टेक्नोलॉजी और एआई एडिटिंग टूल्स की मदद से बहुत साफइमेज कैप्चर करता है।

रेनो 15 सीरीज़ के बारे में ओप्पो इंडिया के हेड ऑफ कम्युनिकेशंस, गोल्डी पटनायक ने कहा, भारत में ओप्पो के 100 मिलियन से अधिक यूज़र हैं। इसलिए हमने करीब से देखा है कि खासकर कैमरा सिस्टम, इंट्यूटिव एआई, विशेष डिज़ाइन लैंग्वेज और यूज़र एक्सपीरियंस के मामले में ग्राहकों की अपेक्षाएं कैसे प्रीमियम अनुभवों की ओर विकसित हुई हैं। रेनो सीरीज़ का लगातार विकास ग्राहकों की इन अपेक्षाओं को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है, क्योंकि ग्राहक ऐसी डिवाइस चाहते हैं, जो उन्हें छोटे-मोटे नहीं बल्कि ठोस अपग्रेड प्रदान करें। रेनो 15 सीरीज़ के माध्यम से हम उन्हें अत्याधुनिक इमेजिंग सिस्टम, बेहतर AI क्षमताएं और बेहतरीन ऑल-राउंड परफॉर्मेंस प्रदान कर रहे हैं। हमारी यह सीरीज़ युवाओं द्वारा यात्रा करने, क्रिएट करने और अपने पलों को कैप्चर करने के तरीके के अनुरूप विकसित की गई है।

एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड एलटीएफ का 31 दिसंबर 2025 को समाप्त तीसरी तिमाही में अब तक का सर्वोच्च कोर कर पश्चात लाभ पीएटी 760 करोड़ रुपये रहा

एल एंड टी फाइनेंस लिमिटेड, पूर्व में एल एंड टी फाइनेंस होल्डिंग्स लिमिटेड (एलटीएफ) के नाम से जाना जाता है, जो भारत में प्रमुख नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों (एनबीएफसी) में से एक है, ने 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त तीसरी तिमाही (वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही) में अपना अब तक का सबसे अधिक कोर कर पश्चात लाभ (पीएटी) 760 करोड़ रुपये (नए लेबर कोड प्रावधान के एक बार के प्रभाव से पहले) दर्ज किया है, जिसमें साल-दर-साल 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। नए लेबर कोड के एक बार के प्रभाव के बाद पीएटी 739 करोड़ रुपये है, जो वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में 18 प्रतिशत अधिक है। तिमाही के दौरान, रिटेल बुक साइज 1,11,990 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, और इसमें साल दर साल 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। कंसोलिडेटेड लोन बुक सालाना 20 प्रतिशत बढ़कर 1,14,285 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त तीसरी तिमाही के लिए अब तक का सबसे अधिक तिमाही रिटेल डिस्बर्समेंट 49 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 22,701 करोड़ रुपये दर्ज किया। कंपनी ने टू-व्हीलर फाइनेंस में अब तक का सबसे अधिक डिस्बर्समेंट 3,217 करोड़ रुपये और फार्मर फाइनेंस में 2,783 करोड़ रुपये दर्ज किया, जो क्रमश: सालाना 33 प्रतिशत और 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। 31 दिसंबर, 2025 तक कुल बुक का रिटेलाइजेशन 98 प्रतिशत पर खड़ा था। वित्तीय परिणामों के बारे में, श्री सुदीप्ता रॉय, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, एलटीएफ ने कहा, वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही अच्छे आर्थिक कारकों के

मजबूत मिश्रण से प्रभावित रही। जीएसटी 2.0 की शुरूआत, अच्छी बारिश (मानसून), और रेपो दर में लगातार कटौती ने लोगों के खर्च में बढ़ोतरी की है और विकास के लिए अनुकूल माहौल बनाया है। इस तिमाही में, एलटीएफ ने सभी कारोबारी हिस्सों में शानदार प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित किया। हमने अब तक की सबसे ज्यादा तिमाही लोन डिस्बर्समेंट राशि 22,701 करोड़ रुपये दर्ज की, जो पिछले साल की तुलना में 49 प्रतिशत ज्यादा है। रिटेल लोन पोर्टफोलियो 1,11,990 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो साल-दर-साल 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाता है। इससे कर पश्चात लाभ (पीएटी) 760 करोड़ रुपये हुआ, जो पिछले साल से 21 प्रतिशत अधिक है (एक बार की विशेष मद के प्रभाव को छोड़कर)।

बॉन्डटाइट के नए ब्रांड एंबेसडर बने रणबीर कपूर

रायपुर। ऐस्ट्रल लिमिटेड का ब्रांड बॉन्डटाइट, भारत के सबसे भरोसेमंद ऐडहेसिव्स ब्रांड्स में से एक है, जिसने 30 से अधिक वर्षों की अपनी मज़बूत विरासत को संजोकर रखा है। अब बॉन्डटाइट अपने नए ब्रांड कैंपेन की शुरुआत के साथ एक बड़ी छलांग लगाने के लिए तैयार है। यह कदम भारतीय ऐडहेसिव्स बाज़ार में एक प्रीमियम ब्रांड के रूप में अपनी स्थिति को और मज़बूत करने की दिशा में उठाया गया है।

रणबीर कपूर अपनी बेहतरीन अभिनय क्षमता, व्यापक लोकप्रियता और दर्शकों के बीच गहरे भरोसे के लिए जाने जाते हैं, जिसके चलते हर आयु वर्ग के लोग उनसे जुड़ाव महसूस करते हैं।उनकी ये सभी खूबियाँ बॉन्डटाइट के मूल्यों और विज़न के पूरी तरह अनुरूप हैं। उनके साथ जुड़ने से बॉन्डटाइट के उस लक्ष्य को नई ताक़त मिली है, जिसके तहत वह ऐडहेसिव्स की हर ज़रूरत के लिए घर-घर में पहचाना जाने वाला नाम बनना चाहता है। ऐस्ट्रल लिमिटेड (ऐडहेसिव्स एवं पेंट्स) के सीईओ, श्री सौम्य इंजीनियर ने कैंपेन के लॉन्च के समय अपने विचार साझा करते हुए कहा: बॉन्डटाइट ने तीन दशकों से भी अधिक समय तक लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर बाज़ार में लोगों का भरोसा हासिल किया है। एक बड़े सेलिब्रिटी के साथ हमारा यह नया कैंपेन इस बात को दर्शाता है कि हम नए उत्साह और आत्मविश्वास के साथ, विशेष रूप से 'व्हाइट ऐडहेसिव्स' सेगमेंट में, विकास को तेज़ी देने के लिए तैयार हैं। हमारा लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर पर एक ऐसा भरोसेमंद ब्रांड बनना है, जो प्रोफेशनल्स, कारीगरों और उपभोक्ताओं को एक मज़बूत और विश्वसनीय विकल्प प्रदान करे, जिससे भारतीय ऐडहेसिव्स बाज़ार को आगे बढ़ाने में मदद मिले। यह पूरे भारत में अपने जुड़ाव को सशक्त बनाने और बड़े पैमाने पर अपनी मौजूदगी बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऐस्ट्रल लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, श्री कैरव इंजीनियर ने कहा: वुड एडहेसिव्स इस कैटेगरी का सबसे अहम हिस्सा हैं, और बॉन्डटाइट अब स्पष्ट इरादों और पूरे आत्मविश्वास के साथ इस क्षेत्र की अगुवाई करने के लिए तैयार है। बॉन्डटाइट को 'लकड़ी का चुंबक' के रूप में प्रस्तुत करके, हम कारपेंटर्स, एप्लीकेटर्स और हमारे व्यापारिक भागीदारों के लिए सही विकल्प चुनना आसान बना रहे हैं। आगामी कैंपेन में वुड एडहेसिव्स पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाएगा, क्योंकि ब्रांड की निरंतर प्रगति में इस कैटेगरी की अहम भूमिका रही है।

संपादकीय

भारतीय अर्थव्यवस्था की मूलभूत कमजोरी

ज्यादा चिंता का पहलू निजी उपभोग की वृद्धि दर में गिरावट है। यानी इनकम टैक्स की छूट सीमा 12 लाख रुपये करने, जीएसटी दरों का नया ढांचा लागू करने, और मुद्रास्फीति कम रहने के बावजूद निजी उपभोग में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हुई। केंद्र ने अपने पहले वार्षिक अनुमान में कहा है कि 2025-26 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.4 रहेगी। वैसे, अंतिम आंकड़े मई में जाकर मालूम होंगे, फिर भी ताजा अनुमान महत्त्वपूर्ण है। इसलिए कि इन आंकड़ों को ही आधार बना कर वित्त मंत्री अगला बजट पेश करेंगी। शीर्षक के मुताबिक इस वर्ष जीडीपी की वास्तविक वृद्धि दर खासा मजबूत रहने वाली है। मगर इसमें कई पेच हैं। बेशक, वास्तविक वृद्धि दर पिछले साल के 6.5 प्रतिशत से 0.9 फीसदी ज्यादा है, मगर चालू वर्ष में कुल (नोमिनल) वृद्धि दर महज 8 प्रतिशत रहेगी, जो पिछले साल से 1.8 प्रतिशत कम है। मतलब मुद्रास्फीति की कम दर के कारण वास्तविक वृद्धि दर ऊंची नजर आती है। नोमिनल वृद्ध दर गिरने का परिणाम टैक्स की कम वसूली के रूप में सामने आएगा। उससे राजकोष दबाव में आएगा, हालांकि मुमकिन है कि रिजर्व बैंक से मिलने वाले डिविडेंड और विनिवेश से प्राप्त राजस्व के कारण यह खुल कर ना जाहिर हो। वैसे ज्यादा चिंता का पहलू निजी उपभोग की वृद्धि दर में गिरावट है। बीते साल के 7.2 फीसदी की तुलना में इस वर्ष यह सात प्रतिशत रहेगी। यानी इनकम टैक्स की छूट सीमा 12 लाख रुपये करने, जीएसटी दरों का नया ढांचा लागू करने, और मुद्रास्फीति कम रहने के बावजूद निजी उपभोग में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हुई। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मूलभूत कमजोरी को जाहिर करता है। यह बताता है कि जमीनी स्तर पर आमदनी और बचत की स्थिति और कमजोर है। कृषि क्षेत्र में वृद्धि दर गिरने का अनुमान लगाया गया है। उसका असर ग्रामीण आय एवं उपभोग पर पड़ेगा। इस स्थिति में निजी निवेश बढ़ने की गुंजाइश अगले साल भी नहीं बनेगी। इस बीच अमेरिकी टैरिफ और अन्य प्रतिकूल अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का असर अर्थव्यवस्था पर दिखने लगा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में वृद्धि दर 8 प्रतिशत रही, जबकि बाकी छह महीनों में इसके 6.9 फीसदी ही रहने का अनुमान है। कारण बिगड़ते हालात हैं। साफ है, हेडलाइन से अर्थव्यवस्था की जो मजबूत छवि उभरती है, अंदर मौजूद आंकड़ों से वह कायम नहीं रह पाती!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए में एक सफल राजनीतिक सिस्टम बनाया है

अजय दीक्षित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए में एक ऐसा सफल राजनीतिक सिस्टम बनाया है कि जो उनमें शामिल दलों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए आदर बढ़ा है साथ साथ में उनकी विश्वसनीयता भी बनी हुई है। बिहार विधानसभा चुनावों से पहले सीटों के बंटवारे से पहले लोकजनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान ने कहा नरेंद्र मोदी है न सब सुलझा देगे।यही बात मुख्यमंत्री और जेडीयू नेता नीतीश कुमार ने कही ।2020 के बिहार विधानसभा चुनावों में जेडीयू 115 सीट पर लड़ी थी 2025 में 101 पर लड़कर 85 पर जीत गई ।यह सब मैं इस लिए लिख रहा हूं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में कोई तो ऐसी बात होगी जो उन्हें लगातार साथी दलों में स्वीकार्य बनाए है।यह गुण उन्होंने अटल बिहारी वाजपेई से सीखा है।स्व अटल बिहारी वाजपेई ने ही राजग की स्थापना की थी। जब 2024 के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी 240 सीट जीतकर पूर्ण बहुमत नहीं प्राप्त कर सकी थी तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राजग का महत्व मालूम हुआ कि भारत में सबसे अधिक राजनीतिक समन्वय की आवश्यकता है।आज भारतीय जनता पार्टी के साथ तमिलनाडु में एआईडीएमके, आंध्र प्रदेश में टीडीपी, बिहार में जेडीयू, लोकजनशक्ति पार्टी, जीतनराम मांझी की हम ,असम में एजीपी, और पूर्वोत्तर में कई क्षेत्रीय दल, महाराष्ट्र में एनसीपी, शिवसेना,है। बिहार में नीतीश कुमार, महाराष्ट्र में अजीत पवार, शिंदे, तमिलनाडु में पनीरसेलम, आंध्र प्रदेश चंद्रबाबू नायडू, उनके सहयोगी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब 2014 में पूर्ण बहुमत से भारतीय जनता पार्टी सरकार के मुखिया थे तब उनकी सभी पार्टियों में स्वीकारता नहीं थी क्योंकि वह गुजरात से दिल्ली आए थे और उससे पहले गुजरात के 2002 से मुख्यमंत्री थे । नीतीश कुमार भी उसी समय बिहार के मुख्यमंत्री थे ।जब भारतीय जनता पार्टी ने मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया तो उन्हें यह अटपटा लगा तो वे मोदी को राजग नेता के रूप में स्वीकार नहीं कर सके और अलग होकर चुनाव लड़े लेकिन बिहार में लोकसभा 2014 में उनकी पार्टी मात्र दो सीट ही जीत सकी। समय बीता तो बिहार विधानसभा में नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर पुन: एनडीए में शामिल हो कर सरकार बना ली।यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली जीत थी समन्वय की । इसके बाद 2019 में नीतीश कुमार ने मोदी नेता मान लिया था और मोदी भी नीतीश कुमार की कोई बात नहीं टालते यहां तक कि 2020 में बिहार विधानसभा चुनाव में जेडीयू को 47 सीट मिली और भारतीय जनता पार्टी को 77 तब भी मोदी ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया जबकि नीतीश कुमार ने स्पष्ट कहा था कि भारतीय जनता पार्टी चाहे तो अपना मुख्यमंत्री बना सकती है बस यही से नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना राजनीतिक गॉड फादर मान लिया।2024 में यद्यपि भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला था लेकिन ह्ष्ठ में नीतीश कुमार ने मोदी को मदद की और उन्हें हाथ फैलाने नहीं दिया।इसका पुरस्कार फिर मोदी ने 2025 के बिहार विधानसभा चुनावों में दिया है और नीतीश कुमार के गिरते स्वास्थ्य के बाबजूद मुख्यमंत्री बनाया । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब अटलजी के पद चिन्हों पर चल रहे हैं अभी हाल में लोकसभा सत्र समाप्ति पर प्रियंका गांधी को खासी तब्बजो दी।इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र में शिवसेना के शिंदे को साद रखा है।यहां तक कि शरद पवार इंडिया ब्लॉक का हिस्सा है मगर कई निर्णयों में सरकार के साथ है। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना को उन्होंने ठौर बैठा दिया है ।

दुनिया में मंदी: भारत में आर्थिक मजबूती की रोशनी

ललित गर्ग

वैश्विक चुनौतियों, भू-राजनीतिक तनावों, युद्धों, महामारी के पश्चात् बनी अस्थिरताओं, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और महँगाई के दबावों के बीच जब दुनिया की अनेक बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ लड़खड़ा रही हैं, तब भारत की अर्थव्यवस्था से जुड़े आँकड़े आशा, भरोसे और आत्मविश्वास की एक सशक्त किरण बनकर उभरे हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के नए आंकड़ों से स्पष्ट है लगभग 7.4 प्रतिशत की विकास दर पर कायम रहना केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई आर्थिक नीतियों की दृढ़ता, दूरदर्शिता, पारदर्शिता और संतुलन का प्रमाण है। जिसमें विनिर्माण, सेवाएं और सरकारी व्यय वृद्धि को गति मिलेगी। जाहिर है, इसका असर नौकरी, महंगाई, आमदनी, कर्ज, कर और सरकारी सुविधाओं पर पड़ेगा। ग्रामीण इलाकों में कृषि से जुड़े रोजगार में बढ़ोतरी हो सकती है, जो यह संकेत देता है कि भारत न केवल वैश्विक अस्थिरताओं से स्वयं को बचाने में सक्षम रहा है, बल्कि अवसरों को साधकर अपनी विकास-यात्रा को निरंतर गति भी दे रहा है।

आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहाँ अमेरिका और यूरोप की अर्थव्यवस्थाएँ मंदी और ऋण संकट से जूझ रही हैं, चीन की विकास गति में स्पष्ट सुस्ती दिखाई दे रही है, और अनेक विकासशील देशों पर ऋण, महंगाई तथा बेरोजगारी का बोझ बढ़ता जा रहा है। ऐसे वातावरण में भारत का अपेक्षाकृत मजबूत आर्थिक प्रदर्शन यह दर्शाता है कि बीते एक दशक में अपनाई गई नीतियां केवल तात्कालिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि दीर्घकालिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं। मोदी सरकार ने आर्थिक सुधारों को केवल कागजी घोषणाओं तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें ज़मीनी स्तर पर लागू करने का प्रयास किया, चाहे वह कर प्रणाली में सुधार हो, बुनियादी ढाँचे में निवेश हो या डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार। जिससे कर संग्रह और राजकोषीय घाटे पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। व्यापक अर्थव्यवस्था और आगामी केंद्रीय बजट दोनों के दृष्टिकोण से यह अच्छी बात है। जीडीपी दर के समांतर महंगाई काबू में रहे तो केंद्रीय रिजर्व बैंक ब्याज दरें घटा सकता है, जिसका सीधा असर कर्ज की किस्त पर पड़ सकता है। साथ ही, सरकार को मिलने वाला कर राजस्व बढ़ सकता है, जिससे ढांचागत और समाज

कल्याण की योजनाओं पर खर्च बढ़ाया जा सकता है। शेयर बाजार में तेजी से म्यूचुअल फंड, भविष्य निधि आदि पर सकारात्मक असर हो सकता है। जीडीपी की दर 2024-25 में 6.5 फीसद की तुलना में अधिक है और यह मुख्य रूप से विनिर्माण और सेवाओं में वृद्धि के सुधार का नतीजा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक दृष्टि का मूल आधार 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' रहा है। वस्तु एवं सेवा कर जैसे बड़े सुधारों ने भारतीय बाज़ार को एकीकृत किया, व्यापार को सुगम बनाया और कर-संग्रह की पारदर्शिता बढ़ाई। प्रारंभिक चुनौतियों के बावजूद, आज जीएसटी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक स्थायी आधार बन चुका है। इसके साथ ही दिवालियापन एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों की स्थिति को मजबूत किया, जिससे फंसे हुए ऋणों की समस्या पर काफी हद तक अंकुश लगा। बैंकिंग प्रणाली की यह मजबूती ही है, जिसने निवेश और उद्यमिता को नई ऊर्जा दी है। मोदी सरकार की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह रही है कि उसने घरेलू मांग को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया। ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि क्षेत्र और मध्यम वर्ग को सहारा देने वाली योजनाओं ने उपभोग को बनाए रखा। बुनियादी ढाँचे में बड़े पैमाने पर निवेश ने न केवल रोज़गार के अवसर पैदा किए, बल्कि दीर्घकाल में उत्पादन और लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने में भी मदद की। सड़कें, रेलवे, बंदरगाह, हवाई अड्डे और डिजिटल नेटवर्क-इन सभी क्षेत्रों में हुए विस्तार ने भारत को एक अधिक प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित किया है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की आर्थिक मजबूती का एक बड़ा कारण उसकी संतुलित विदेश नीति और पड़ोसी देशों के साथ व्यावहारिक संबंध भी हैं। जहां एक ओर भारत ने विकसित देशों के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को सुदृढ़ किया, वहीं दूसरी ओर पड़ोसी देशों के साथ आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने का प्रयास किया। यह संतुलन भारत को बाहरी झटकों से अपेक्षाकृत सुरक्षित रखता है। ऊर्जा, रक्षा, खाद्य सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदमों ने भी भारत की रणनीतिक और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत किया है। डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलों ने भारत की अर्थव्यवस्था में नवाचार और उद्यमिता की नई लहर पैदा की। आज भारत दुनिया के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल है। फिनटेक, हेल्थटेक, एग्रीटेक और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में हुए नवाचार न केवल घरेलू बाज़ार को मजबूत कर रहे हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी भारत की पहचान बना रहे हैं। डिजिटल भुगतान प्रणाली ने वित्तीय समावेशन को बढ़ाया, जिससे आर्थिक गतिविधियों का दायरा विस्तृत हुआ और पारदर्शिता में सुधार आया।

महत्त्वपूर्ण यह भी है कि मोदी सरकार ने आर्थिक विकास को सामाजिक कल्याण से अलग नहीं किया। गरीबों, महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों को सशक्त बनाने वाली योजनाओं ने सामाजिक स्थिरता को बनाए रखा, जो किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए अनिवार्य होती है। सामाजिक सुरक्षा और बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति ने एक ऐसी नींव तैयार की, जिस पर टिकाऊ विकास संभव हो सका। यही कारण है कि वैश्विक संकटों के बावजूद भारत की आंतरिक मांग और विश्वास कमजोर नहीं पड़ा। आज भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। यह स्थिति केवल वर्तमान उपलब्धि नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं का संकेत है। वर्ष 2047, जब भारत अपनी आज़ादी के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब दुनिया की सर्वोच्च अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य अब केवल एक सपना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित यात्रा का परिणाम प्रतीत होता है। जनसांख्यिकीय लाभ, युवा शक्ति, तकनीकी क्षमता और राजनीतिक स्थिरताकृये सभी तत्व भारत को इस लक्ष्य के करीब ले जा रहे हैं।

निस्संदेह चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। वैश्विक परिस्थितियां कभी भी अचानक बदल सकती हैं, जलवायु परिवर्तन, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और भू-राजनीतिक तनाव नई कठिनाइयां पैदा कर सकते हैं। लेकिन जिस आत्मविश्वास, अनुशासन और दूरदर्शिता के साथ भारत ने अब तक इन चुनौतियों का सामना किया है, वह यह भरोसा देता है कि देश आगे भी संतुलन बनाए रखते हुए प्रगति करता रहेगा। 7.4 प्रतिशत की विकास दर केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस उजली तस्वीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक नीतियों की स्पष्ट छाप दिखाई देती है। निर्णायक नेतृत्व, दीर्घकालिक सोच और सुधारों के प्रति प्रतिबद्धता ने भारत को एक ऐसे मोड़ पर खड़ा कर दिया है, जहां संभावनाएं अनंत हैं। वैश्विक असंतुलन और अनिश्चितताओं के बीच भारत की अर्थव्यवस्था का मजबूत बने रहना न केवल देशवासियों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि दुनिया के लिए भी एक संदेश है कि स्थिरता, संतुलन और आत्मनिर्भरता के रास्ते पर चलकर कोई भी राष्ट्र वैश्विक चुनौतियों को अवसरों में बदल सकता है। यही भारत की आर्थिक यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि और आने वाले दशकों की सबसे बड़ी आशा की किरण है। इन सब सकारात्मक स्थितियों के बावजूद जरूरत इस बात की भी है कि अर्थव्यवस्था की ठोस मजबूती के लिए उन पहलुओं पर भी गौर किया जाए, जिनकी अनदेखी हो रही है।

पंचायत उन्नति सूचकांक: ग्रामीण परिवर्तन के लिए डेटा-आधारित निर्णय लेने को मजबूत करना

सुशील कुमार लोहानी

भारत के गांवों में एक शांत लेकिन असरदार बदलाव हो रहा है। महाराष्ट्र की एक पंचायत में महिला-अनुकूल पंचायत विषय में कम अंक आने पर सीसीटीवी और स्ट्रीट लाइटें लगाई गईं, वहीं गुजरात के एक गांव में स्वच्छ और हरित पंचायत श्रेणी में कमजोर प्रदर्शन के बाद तेजी से स्वच्छता अभियान शुरू किए गए।

पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) अब यह तय करने लगा है कि जमीनी स्तर पर विकास की योजना कैसे बने और उसे कैसे लागू किया जाए। कई पंचायतों में पीएआई के जरिए सामने आई कमियां जैसे संस्थागत प्रसव की कम संख्या, खराब कचरा प्रबंधन या पानी की कमी के आधार पर सीधे लक्षित कदम उठाए गए हैं।

ये शुरुआती उदाहरण एक सरल लेकिन मजबूत सच्चाई दिखाते हैं-जब पंचायतें अपनी ताकत और कमज़ोरियों को साफ़-साफ़ देख पाती हैं, तो वे ज़्यादा तेज़ी से और सही तरीके से काम करती हैं। कई दशकों तक भारत में ग्रामीण विकास ज़्यादातर हाथ से बनी रिपोर्टों, व्यक्तिगत धारणाओं और राजनीतिक प्राथमिकताओं पर निर्भर रहा। आज पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) ग्रामीण प्रशासन के केंद्र में एक नया मॉडल लेकर आया है, जो पारदर्शी है, आंकड़ों पर आधारित है और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुरूप है।

पंचायती राज मंत्रालय की ओर से शुरू किया गया पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) भारत का पहला देशव्यापी ढांचा है, जिसके माध्यम से ग्राम पंचायतों की प्रगति को वस्तुनिष्ठ संकेतकों के आधार पर मापा जाता है। इसमें स्वच्छता, स्वास्थ्य, शासन, महिला सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचा, पर्यावरणीय स्थिरता आदि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह मूल्यांकन 17 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) से निकले स्थानीय सतत विकास लक्ष्यों (एलएसडीजी) के नौ विषयों के अंतर्गत किया जाता है।

तर्कसंगत रूप से, राष्ट्रीय स्तर पर एसडीजी की प्राप्ति के लिए स्थानीय स्तर पर कार्यवाही आवश्यक है, जहां पंचायतें अहम भूमिका निभा सकती हैं। इस संदर्भ में, पीएआई ग्रामीण क्षेत्रों में एलएसडीजी और अंततः एसडीजी की प्रगति को मापने और ट्रैक करने के लिए एक साक्ष्य-आधारित व्यवस्था प्रदान करता है।

पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई) की गणना एक मजबूत और बहु-चरणीय प्रक्रिया के माध्यम से की जाती है, जिसमें नौ विषयों के अंतर्गत 435 अलग-अलग स्थानीय संकेतकों का उपयोग होता है। पंचायती राज मंत्रालय अन्य मंत्रालयों, विभागों और राज्य सरकारों से परामर्श कर संकेतकों का ढांचा तैयार करता है, जबकि वास्तविक आंकड़े ग्राम पंचायतों और संबंधित विभागों द्वारा एक साझा पोर्टल श्चड्डद्ब.द्दश1.द्बठ्ठ पर ग्राम पंचायत स्तर पर दर्ज किए

जाते हैं। इन आंकड़ों का सत्यापन कई प्रशासनिक स्तरों पर किया जाता है, जिसमें ग्राम सभा द्वारा जांच भी शामिल है। प्रत्येक विषय का स्कोर इन संकेतकों के आधार पर 0 से 100 के पैमाने पर तय होता है और इन्हीं से कुल पीएआई स्कोर (0-100) बनता है। इसी कुल स्कोर के आधार पर पंचायतों को तुलना के लिए पाँच श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है।

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए किए गए पहले सर्वेक्षण से कई रोचक तथ्य सामने आए। सत्यापित आंकड़े जमा करने वाली 2.16 लाख पंचायतों में से कोई भी पंचायत अचीवर (90 से अधिक अंक) की श्रेणी में नहीं आई। केवल 0.3 प्रतिशत पंचायतें फ्रंट रनर (75-89.99 अंक) रहीं और 35.8 प्रतिशत पंचायतें परफॉर्मर (60-74.99 अंक) की श्रेणी में थी।

सबसे अधिक, यानी 61.2 प्रतिशत पंचायतें आकांक्षी (40-59.99 अंक) श्रेणी में रहीं, जबकि 2.7 प्रतिशत पंचायतें शुरुआती (40 से कम अंक) श्रेणी में पाई गई। गुजरात और तेलंगाना जैसे राज्य सबसे अधिक उच्च प्रदर्शन करने वाली पंचायतों के साथ शीर्ष पर रहे।

जमीनी स्तर के शासन को मजबूत करने में इसकी बड़ी क्षमता को देखते हुए, राज्य सरकारें पीएआई अंकों को ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर आयोजित कार्यशालाओं के माध्यम से विभिन्न हितधारकों तक पहुंचा रही हैं। पारदर्शिता और नागरिक सहभागिता बढ़ाने के लिए पंचायतों ने अपने कार्यालयों के बाहर पीएआई स्कोरकार्ड लगाना भी शुरू कर दिया है।

इसके अलावा, ग्राम सभा की बैठकों के एजेंडे में भी पीएआई अंकों पर चर्चा को शामिल किया जा रहा है।

पीएआई की असली ताकत इसके व्यावहारिक उपयोग में है। शुरुआती संकेत बताते हैं कि गुजरात जैसे राज्य पीएआई अंकों का उपयोग कमजोर ग्राम पंचायतों को विशेष अनुदान देने में कर रहे हैं, ताकि महत्वपूर्ण कमियों को पूरा किया जा सके। सिक्किम ने अपने छठे राज्य वित्त आयोग के तहत प्रदर्शन अनुदान देने के लिए पीएआई स्कोर को एक मानदंड के रूप में अपनाने का निर्णय लिया है।

कई राज्यों में पीएआई साक्ष्य-आधारित योजना बनाने का एक अहम साधन बन गया है, जिससे पंचायतों को अपने ग्राम पंचायत विकास योजनाओं (जीडीडीपी) में प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान करने और उन्हें प्राथमिकता देने में मदद मिल रही है। कर्नाटक, तमिलनाडु, सिक्किम, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों में उच्च अंक पाने वाली ग्राम पंचायतों को पंचायत लर्निंग सेंटर के रूप में विकसित किया जा रहा है, जबकि झारखंड, बिहार, केरल, पंजाब और राजस्थान जैसे राज्य इन पंचायतों के लिए पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के प्रतिनिधियों के लिए विशेष अध्ययन और अनुभव भ्रमण आयोजित कर रहे हैं।

अब कई राज्य पीएआई के प्रदर्शन को सम्मान और पुरस्कारों से भी जोड़ रहे हैं। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री योजना के तहत बड़े पुरस्कार दिए जाते हैं; सिक्किम और मध्य प्रदेश में वित्तीय प्रोत्साहन दिए जाते हैं, जबकि पंजाब, झारखंड, उत्तर प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा में उच्च अंक प्राप्त पंचायतों को राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में सम्मानित किया जाता है। इसके अलावा, पीएआई अंकों को अब संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रमों और क्षेत्रीय कार्यशालाओं में भी तेजी से शामिल किया जा रहा है।

पीएआई ने जटिल सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय संकेतकों को आसान और समझने योग्य विषयों में बदल दिया है, जिससे लक्षित योजना बनाने और सही फैसले लेने में मदद मिलती है। डैशबोर्ड, स्कोरकार्ड और डिजिटल उपकरण पंचायत स्तर पर साक्ष्य-आधारित शासन को मजबूत करते हैं।

हालांकि, पीएआई अभी नया है। इसकी पहली आधारभूत रिपोर्ट 2022-23 की है, इसलिए ऐसे लंबे समय के अध्ययन अभी कम हैं जो सीधे और मापने योग्य सुधार दिखा सकें। तकनीकी क्षमता में असमानता, आंकड़ों की सही समझ की कमी और रिपोर्टिंग प्रणालियों में एकरूपता न होने के कारण अलग-अलग क्षेत्रों में डेटा की गुणवत्ता भी अलग-अलग है। विभागों और पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के बीच समन्वय बेहतर हो रहा है, लेकिन अभी भी यह पूरी तरह सुदृढ़ नहीं है।

ये समस्याएं नहीं, बल्कि अवसर हैं। इन्हीं अनुभवों से सीख लेते हुए मंत्रालय ने पीएआई 2.0 के लिए प्रक्रिया को सरल बनाया है। इसमें विशिष्ट संकेतकों की संख्या 435 से घटाकर 119 कर दी गई है, अधिक प्रासंगिक और परिष्कृत संकेतकों को अपनाया गया है, और कार्यप्रणाली को बेहतर बनाया गया है, जिससे डेटा संग्रह आसान हो और उसकी गुणवत्ता भी सुधरे।

मंत्रालय से जारी स्पष्ट संचालन दिशानिर्देशों और सरल प्रक्रियाओं के कारण इसे लगभग सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपनाया है। दूसरे चरण में 2.60 लाख से अधिक पंचायतों की भागीदारी हुई है, जबकि पहले चरण में यह संख्या 2.16 लाख थी, जो एक मजबूत दिशा को दर्शाता है। इसके साथ ही, चुने हुए जनप्रतिनिधियों, पंचायत कर्मियों और संबंधित विभागों के कर्मचारियों में संकेतकों और डेटा बिंदुओं की समझ बढ़ाने के लिए एक व्यापक क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी शुरू किया गया है।

पीएआई की परिवर्तनकारी क्षमता को कम करके नहीं आंका जा सकता। यह डेटा को लोकतांत्रिक बनाता है, जिससे नागरिक अपने चुने हुए प्रतिनिधियों से जवाबदेही तय कर सकते हैं और लोकतांत्रिक शासन और मजबूत होता है। यह पारदर्शिता को बढ़ावा देता है और पंचायतों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करता है।

चूंकि विषयवार पीएआई अंक विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े कई संकेतकों पर आधारित होते हैं, इसलिए पीएआई अपनी संरचना में ही मंत्रालयों और विभागों के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है, ताकि बेहतर विकास परिणाम हासिल किए जा सकें। पीएआई की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुरूप है और इन लक्ष्यों का गांव स्तर पर नवाचारी स्थानीयकरण करता है। विकास को पीएआई अंकों के माध्यम से मापकर यह मॉडल वास्तव में एसडीजी के सिद्धांतों को व्यवहार में उतारता है, जिससे यह एक अनूठा और संभावित रूप से वैश्विक सर्वोत्तम उदाहरण बनता है।

संक्षेप में, पंचायत उन्नति सूचकांक भारत में ग्रामीण शासन को नए सिरे से परिभाषित करने वाली एक ऐतिहासिक पहल है। यह एक महत्वपूर्ण साधन है, जो साक्ष्य-आधारित, सहभागितापूर्ण और विकेंद्रीकृत विकास योजना के माध्यम से भारत को वर्ष 2030 तक अपने सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करता है। विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए, जब भारत समान विकास और सामाजिक न्याय के लिए प्रयासरत है, तब पीएआई पंचायतों को डेटा से विकास की ओर, और समझ से वास्तविक प्रभाव की ओर ले जाने वाला एक मार्गदर्शक प्रकाशस्तंभ बनकर खड़ा है।

(सुशील कुमार लोहानी एक आईएएस अधिकारी हैं और वर्तमान में भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय में अपर सचिव के रूप में कार्यरत हैं।)

लिवर सिरोसिस से बचने ठीक रखें खानपान

लिवर सिरोसिस धीमी गति से बढ़ने वाला रोग है। आम भाषा में कहें तो इस रोग में लिवर का आकार सिकुड़ने लगता है और उसमें कठोरता आने लगती है। इस रोग में लिवर की बहुत सारी कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं और उनकी जगह फाइबर तंतु ले लेते हैं। साथ ही लीवर की बनावट भी असामान्य हो जाती है, जिससे पोर्टल हाइपरटैंशन की स्थिति पैदा हो जाती है। इस बीमारी का अंतिम इलाज लीवर प्रत्यारोपण यानि लिवर ट्रांसप्लांट है।

लिवर सिरोसिस का मुख्य कारण इसका गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो जाना है और ये होता है गलत खान-पान की आदतों और एल्कोहल के ज्यादा सेवन की वजह से। खान-पान में आमतौर पर वसायुक्त चीजों का ज्यादा सेवन से, ज्यादा नॉन वेज आहार लेने से और दवाओं के साइड इफेक्ट के कारण लिवर सिरोसिस जैसी गंभीर बीमारी होती है।

लिवर सिरोसिस की तीन अवस्थाएं

ये एक गंभीर बीमारी है और ये धीरे-धीरे शरीर पर असर करती है इसलिए इसके लक्षण 3 अवस्थाओं में अलग-अलग देखने को मिलते हैं। इन लक्षणों की सहायता से और शरीर की जांच द्वारा इस बीमारी का पता लगाया जा सकता है।

पहली अवस्था में शरीर बेवजह थकान महसूस करने लगता है और इसका वजन घटना शुरू हो जाता है साथ ही पाचन संबंधी गडबडियां शुरू हो जाती हैं। दूसरी अवस्था में रोगी को बार-बार चक्कर आने लगता है और उल्टियां होने लगती हैं। इसके अलावा खाना खाने का मन नहीं करता है और बुखार बना रहता है।

तीसरी और अंतिम अवस्था में उल्टियों के साथ खून आने लगता है और मरीज को बेहोशी होने लगती है। इसके अलावा मामूली सी चोट लगने पर भी खून नहीं रुकता है। तीसरा स्टेज आ जाने पर मरीज पर दवाओं का असर नहीं होता है। इसके बाद एकमात्र विकल्प लिवर का ट्रांस्प्लांट बचता है, जो एक बेहद खर्चीला इलाज है।

लिवर सिरोसिस से बचने के उपाय

लिवर सिरोसिस जैसे गंभीर रोग से बचाव के लिए आपको अपने खान-पान की आदतों में सुधार करना होगा। एल्कोहल पदार्थों का सेवन इसकी सबसे बड़ी वजह है इसलिए इसे आपको तुरंत बंद कर देना चाहिए। इसके अलावा फास्ट फूड्स, वसा वाले आहार, लंबे समय तक नॉन वेज आहार और गंदा पानी पीने से भी ये रोग हो जाता है। इससे बचाव के लिए आपको अपने आहार में विटामिन्स और एंटी ऑक्सिडेंट्स से भरे फल, हरी सब्जियां, फल, गाजर, मूली, चुकंदर, सिंघाड़ा, सोयाबीन, अंडा, दूध आदि का सेवन करना चाहिए।

अनहेल्दी लाइफस्टाइल और गलत खान-पान की वजह से बढ़ता है बेली फैट

आजकल अनहेल्दी लाइफस्टाइल और गलत खान-पान की वजह से बेली फैट बढ़ना काफी आम हो गया है। इस समस्या को लेकर मशहूर गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट ने अपने बताया कि क्यों डाइट और लाइफस्टाइल में बिना किसी बदलाव के भी 30 की उम्र के बाद ज्यादातर लोगों का बेली फैट बढ़ने लगता है।

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट कहते हैं कि पहले जो खाना नुकसान नहीं करता था, वही अब बेली फैट बढ़ने का कारण बन जाता है। पहले जैसी एक्सरसाइज करने पर भी उतना असर नहीं दिखता। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट के मुताबिक, यह बदलाव शरीर में अचानक नहीं होता, बल्कि उम्र के साथ शरीर में होने वाले कुछ नेचुरल बदलावों की वजह से होता है। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट के अनुसार, 30 साल की उम्र के बाद हर दस साल में शरीर की 3-8 प्रतिशत मसल्स धीरे-धीरे कम होने लगती हैं। जब शरीर में मसल्स होती हैं तो शरीर आराम करते हुए भी कैलोरी बर्न करता रहता है। वहीं, उम्र बढ़ने के साथ मसल्स कम होने से फैट बर्न भी कम हो जाता है। इसकी वजह यह है कि शरीर में ग्लूकोज को इस्तेमाल करने का लगभग 70-80प्रतिशत काम मसल्स ही करती हैं।

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट बताते हैं कि जब मसल मास कम होता है तो शुगर खून में ज्यादा देर तक रहती है और बेली फैट के रूप में जमा होने लगती है उम्र बढ़ने के साथ बॉडी इंसुलिन सेंसिटिविटी भी हर दस साल में लगभग 4-5 प्रतिशत कम हो जाती है। इसका मतलब है कि पहले जितनी मात्रा में कार्ब्स खाने से कोई दिक्कत नहीं होती थी, वही मात्रा अब ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ा देती है। इससे फैट जल्दी जमा होने लगता है, खासकर कमर और पेट के आसपास।30 की उम्र के बाद शरीर में कुछ हार्मोन्स का लेवल बदलने लगता है। ह्यूमन ग्रोथ हार्मोन, टेस्टोस्टेरोन और एस्ट्रोजन जैसे हार्मोन्स का लेवल कम होने लगता है, जबकि कोर्टिसोल बढ़ जाता है।

गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट के अनुसार, यह बदलाव पेट के गहरे हिस्से में फैट जमा होने को बढ़ावा देता है। इन सभी बदलावों के कारण 30 के बाद ज्यादातर लोगों का बेली फैट बढ़ने लगता है। प्रोटीन से भरपूर डाइट लें हफ्ते में कम से कम तीन बार स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें इंसुलिन सेंसिटिविटी बढ़ाने के लिए रोजाना वॉक करें और खुद को एक्टिव रखें। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट कहते हैं कि यह असर उन लोगों में और ज्यादा होता है जिन्हें फैटी लिवर, प्रीडायबिटीज, डायबिटीज या हाई ट्राइग्लिसराइड्स की समस्या होती है क्योंकि इंसुलिन रेजिस्टेंस ज्यादा फैट को पेट और लिवर में जमा करता है।

कोलेस्ट्रॉल से बचने जंक और फूड फास्ट फूड से रहें दूर

कोलेस्ट्रॉल एक तरह का वसायुक्त तत्व है, जिसका उत्पादन लिवर करता है। यह कोशिकाओं की दीवारों, नर्वस सिस्टम के सुरक्षा कवच और हॉर्मोंस के निर्माण में अहम भूमिका निभाता है। यह प्रोटीन के साथ मिलकर लिपोप्रोटीन बनाता है, जो फैट को खून में घुलने से रोकता है। हमारे शरीर में दो तरह के कोलेस्ट्रॉल होते हैं- एचडीएल (हाई डेंसिटी लिपोप्रोटीन, अच्छा कोलेस्ट्रॉल) और एलडीएल (लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन, बुरा कोलेस्ट्रॉल)। एचडीएल यानी अच्छा कोलेस्ट्रॉल काफी हल्का होता है और यह ब्लड वेसेल्स में जमे फैट को अपने साथ बहा ले जाता है। बुरा कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल ज्यादा चिपचिपा और गाढ़ा होता है।

अगर इसकी मात्रा अधिक हो तो यह ब्लड वेसेल्स और आर्टरी में की दीवारों पर जम जाता है, जिससे खून के बहाव में रुकावट आती है। इसके बढने से हार्ट अटैक, हाई ब्लडप्रेशर और ओबेसिटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कोलेस्ट्रॉल की जांच के लिए लिपिड प्रोफाइल नामक ब्लड टेस्ट कराया जाता है। किसी स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में कुल कोलेस्ट्रॉल की मात्रा 200 मिग्रा./डीएल से कम, एचडीएल 60 मिग्रा./डीएल से अधिक और एलडीएल 100 मिग्रा./डीएल से कम होना चाहिए। आज हम आपको खराब कोलेस्ट्रॉल कम करने और अच्छा कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने के तरीके बता रहे हैं।

भागदौड भरी जिंदगी में फास्ट फूड और जंक फूड लोगों का सबसे पसंदीदा खाना हो गया है। समय की कमी की वजह से लोग इसका अधिक मात्रा में सेवन करते हैं। फास्ट फूड में कोलेस्ट्राल की अधिक मात्रा होती है। फास्ट फूड से दूर रह कर कोलेस्ट्राल की मात्रा कम की जा सकती है।

मीठी चीजें कम खाएं

शुगर का कम से कम उपयोग करें। यह मोटापा घटाने में भी आपकी मदद करेगा।यदि आपको खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करना है तो अखरोट और बादाम जैसी सूखी मेवा खूब खाएं। इससे रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है। ह्रदय संबंधी बीमारियों के खतरे को कम करने और रक्त में लिपिड (वसा व कोलेस्ट्रॉल) का स्तर कम करने की अखरोट, बादाम व मूंगफली जैसी सूखी मेवा की पोषण संबंधी अद्वितीय विशेषताओं के चलते इन पर ज्यादा अध्ययन किया जा रहा है। इस तरह की सूखी मेवा में पौधों के प्रोटीन, वसा (खासकर असंतृप्त वसा अम्ल), खाने योग्य रेशे, खनिज, विटामिन और एंटीऑक्सिडेंट्स और फाइटोस्टीरॉइड्स जैसे अन्य यौगिकों की मात्रा अधिक होती है।

कैसे बढ़ाएं गुड कोलेस्ट्रॉल

मोटापा और एलडीएल दोनों साथ-साथ होते हैं। लेकिन इसका यह मतलब कतई नहीं कि आपको कमर तोड़ व्यायाम करना होगा। आप रोज थोड़ी कसरत और अपने खान-पान में सुधार कर बढ़े वजन को धीरे-धीरे काबू कर सकते हैं। विटामिन-बी उच्च घनत्व वाले लिपोप्रोटीन को बढ़ाने में सहायक होता है। विटामिन-बी 5 की 300 मिलीग्राम पूरक से भी आप अपने एचडीएल कोलेस्ट्रॉल को बढ़ा सकता है लेकिन ध्यान रहे कि इसके कुछ दुष्प्रभाव जैसे कि जिगर की क्षति आदि भी हो सकते हैं, इसलिए कोई भी सप्लीमेंट या विटामिन लेने से पूर्व एक बार डॉक्टर से अवश्य सलाह लें। रोज लगभग तीस मिनट टहलने भर से आप अपना एचडीएल काफी बढ़ा सकते हैं।

कोलेस्ट्रालयुक्त खाना न खाएं

जिन खाद्य पदार्थों में कोलेस्ट्राल की मात्रा अधिक हो उनका सेवन ना करें। अंडा, दूध, मांस, मछली और चाकलेट में सबसे ज्यादा मात्रा में कोलेस्ट्राल पाया जाता है। अंडे के पीले भाग में सबसे ज्यादा मात्रा में कोलेस्ट्राल पाया जाता है। ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर के दौरान इन खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बचें।

बिस्तर पर करें ये 2 योगासन, 7 दिन में पिघलेगी पेट की चर्बी

महिलाएं अक्सर कामकाज, घर-परिवार और अनगिनत जिम्मेदारियों में इतना ज्यादा खो जाती हैं कि वह अपने मन और शरीर की जरूरतों को अनदेखा कर देती हैं। बढ़ती उम्र, भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल और हार्मोनल इंबैलेंस के बीच पेट के आसपास जिद्दी चर्बी जम जाती है। ऐसे में लंबा वर्कआउट या जिम जाने का समय निकाल पाना काफी मुश्किल होता है। वहीं सर्दियों में यह बड़ी चुनौती बन जाता है। क्योंकि सर्दियों में सुबह बिस्तर से निकलने का मन नहीं करता है।

ऐसे में आप योग के जरिए अपनी फिटनेस को बरकरार रख सकती हैं। क्योंकि योग न सिर्फ शारीरिक रूप से बल्कि आपको मानसिक रूप से मजबूत बनाता है। योग से रीढ़ की हड्डी में लचीलापन और मन में स्थिरता भी बढ़ती है। वहीं सही आसन और रोजाना अभ्यास करने से किसी भी परेशानी को आप मात दे सकती हैं।

ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दो खास योगासन के बारे में बताने जा रहे हैं। इन योगासन को आप सुबह बिस्टर पर पेट के बल लेटकर भी कर सकती हैं। इन आसन को करने में सिर्फ 10 मिनट का समय लगता है। लेकिन इसके नियमित अभ्यास से आपको सिर्फ 1 सप्ताह में पेट की चर्बी में हल्का सा बदलाव महसूस होने लगेगा।

धनुरासन

धनुरासन का अभ्यास करने से पेट की चर्बी पर सबसे ज्यादा प्रेशर डालता है और यह पाचन क्रिया को तेज करता है। इस आसन का अभ्यास करने से वेट लॉस में मदद मिलती है।

ऐसे करें ये आसन

इस आसन को करने के लिए पेट के बल लेट जाएं।

फिर पैरों को घुटनों से मोड़ें और टखनों को पकड़ने के लिए हाथों को पीछे की तरफ ले जाएं।

अब सांस लेते हुए शरीर के ऊपरी हिस्से और शरीर के निचले हिस्से को फर्श से ऊपर उठाएं। इससे आपका शरीर धनुष का आकार ले ले।

इसके बाद चिन को धीरे से ऊपर की तरफ मोड़ें और इसको बहुत धीरे-धीरे करें।

इस मुद्रा में 15-20 सेकेंड तक रहें। फिर सांस छोड़ते हुए आसन से बाहर आ जाएं और आराम करें।

भुजंगासन

इस आसन को करने से आपकी पीठ लचीली बनती है और पेट की चर्बी पर सीधा प्रेशर डालकर कम करने में सहायता मिलती है।

ऐसे करें ये आसन

इस आसन को करने के लिए पेट के बल लेट जाएं।

फिर हथेलियों को कंधों के ठीक नीचे जमीन पर रखें और पैरों को एक साथ रखें।

अब सांस पूरी तरह से अंदर लें और कुछ देर सांस रोकें।

इसके बाद धीरे-धीरे सिर, कंधे और धड़ को 3- डिग्री कोण पर ऊपर की ओर उठाएं।

इस दौरान आपकी नाभि जमीन पर टिकी रहे। कंधे चौड़े हों और सिर थोड़ा सा ऊपर की ओर उठा होना चाहिए।

करीब 10 सेकेंड तक इस आसन में रहें।

अब धड़ को धीरे-धीरे नीचे लाएं और फिर बाहर की ओर सांस छोड़ें।

बता दें कि इन रोजाना सिर्फ 10 मिनट इन योगासनों को करने से आपकी कोर स्ट्रेंथ बढ़ती है। पीठ दर्द कम होता है और पेट की चर्बी भी तेजी से कम हो सकती है।

वेट लॉस के लिए नींबू पानी या सिरका, किसका करें सेवन

आज के समय में हर दूसरा व्यक्ति अपने बढ़े हुए वजन से परेशान है और इसे कम करने के लिए तरह-तरह की डिटॉक्स ड्रिंक पीना पसंद करते हैं। जब वेट लॉस की बात होती है तो इसमें विनेगर और नींबू पानी को बहुत अधिक फायदेमंद माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि ये दोनों ड्रिंक्स फैट बर्निंग में मदद करते हैं और मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करते हैं। जिसकी वजह से आपको फ्लैट टमी मिलता है। लेकिन अक्सर लोग इस बात को लेकर असमंजस में रहते हैं कि इन दोनों में से किसका सेवन किया जाए।

विनेगर वेट लॉस में किस तरह मदद करता है

विनेगर आपकी भूख थोड़ी कम कर सकता है, जिससे आपको ज्यादा देर तक पेट भरा हुआ महसूस होगा। साथ ही, यह ब्लड शुगर को भी कंट्रोल करने में मदद कर सकता है, जिससे आपको कम क्रेविंग होती है। यह डाइजेशन को भी बेहतर कर सकता है। विनेगर में एसिटिक एसिड होता है, जो फैट मेटाबॉलिज्म को भी हल्का सपोर्ट करता है।

विनेगर का सेवन किस तरह करें

एक चम्मच विनेगर को एक गिलास पानी में मिलाकर लिया जा सकता है। इसे खाने से पहले लेना सबसे अच्छा है। इसे कभी भी डायलूट किए बिना ना लें, क्योंकि यह एसिडिक होता है।

विनेगर से क्या नुकसान हो सकते हैं

विनेगर आपके दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंचा सकता है। इसके अलावा, इससे एसिड रिफ्लक्स, ब्लोटिंग, जलन हो सकती है। बीपी या शुगर की दवाओं के साथ यह दिक्कत कर सकता है। इसलिए अगर आपको गैस्ट्राइटिस, एसिडिटी, अल्सर है या आप बीपी या डायबिटीज की दवाएं ले रहे हैं, तो पहले डॉक्टर से पूछें।

नींबू पानी वेट लॉस में किस तरह मदद करता है

नींबू पानी आपको हाइड्रेटेड रखता है, जिससे आप बेवजह की स्नैकिंग कम होती है। यह डाइजेशन में मदद करता है। यह आपको फ्रेश और हल्का महसूस कराता है। हाइड्रेशन से मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है, वॉटर रिटेंशन कम होता है और आप पतले लगते हैं।

नींबू पानी का सेवन किस तरह करें

गर्म पानी में आधा नींबू निचोड़कर लें। आप इसे सुबह या कभी भी ले सकते हैं। अगर आप चाहें तो इसमें थोड़ा शहद भी डाल सकते हैं, लेकिन यह पूरी तरह से ऑप्शनल है।

नींबू पानी से क्या नुकसान हो सकते हैं

नींबू पानी से साइड इफेक्ट होने की संभावना काफी कम होती है। लेकिन सेंसिटिव लोगों में इससे एसिडिटी हो सकती है। इसका बहुत ज्यादा सेवन करने से दांतों का इनेमल खराब हो सकता है।

खबर-खास

सुश्री अंशिका देवी का ग्राम महुदा में चल रहा दस दिवसीय रामकथा का आयोजन

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम महुदा में दश दिवसीय रामकथा का आयोजन किया जा रहा है जिसमे नन्हे से बालिका सुश्री अंशिका देवी के मुखाग्रौ से आज षष्ठम दिवश का रामकथा सम्पन्न हुआ जिसमे अंशिका देवी ने रामवणवाश कथा को विस्तार से बताया कि त्रेता युग में जब भगवान राम वनवास गए थे. उनके साथ माता सीता और छोटे भाई लक्ष्मण भी थे. अंशिका ने बताया कि माता कैकेयी ने राजा दशरथ से दो वचन मांगे थे, जिसमें पहला अपने पुत्र भरत के लिए राजगद्दी और दूसरा भगवान राम को 14 वर्षों के लिए वनवास था, लेकिन हिंदू धर्म शास्त्रों में भगवान राम के वनवास को सिर्फमाता कैकेयी के वरदान का परिणाम नहीं माना जाता है, बल्कि इसके पीछे कई दूसरे कारण और पूर्व जन्मों के कर्म भी हैं. जैसे राजा दशरथ को मिला श्राप भी है. उसी श्राप के परिणामस्वरूप जिसकी वजह भगवान राम वन जाने को मजबूर हुए. श्रीमद्भागवतम् के अनुसार, एक बार राजा दशरथ शिकार के लिए जंगल गए थे. राजा दशरथ को शब्दभेदी बाण चलाना आता था. वो सिर्फआवाज सुनकर निशाना लगा सकते थे. एक बार उन्हें पानी भरने की आवाज सुनाई पड़ी.उन्होंने सोचा कि कोई जंगली जानवर पानी पी रहा है. इसके बाद उन्होंने उस दिशा में शब्दभेदी बाण छोड़ दिया. नदी में श्रवण कुमार अपने माता-पिता के लिए पानी भर रहे थे. राजा दशरथ का बाण श्रवण कुमार को जा लगा. इसके बाद राजा दशरथ श्रवण कुमार के पास पहुंचे, लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी. इसके बाद अपने बेटे की मृत्यु से दुखी श्रवण कुमार के माता पिता ने राजा दशरथ को श्राप दे दिया. कहा कि जिस तरह हम पुत्र वियोग में तड़प-तड़प कर अपने प्राण त्याग रहे हैं, उसी तरह तुम्हारी मृत्यु भी पुत्र वियोग में ही होगी. श्राप के अनुसार ही राजा दशरथ की मृत्यु पुत्र वियोग में ही हो सकती थी. माता कैकेयी के द्वारा भगवान के 14 सालों का वनवास मांगने के बाद प्रभु राम को अयोध्या छोड़नी पड़ी. इसी पुत्र वियोग के कारण राजा दशरथ के प्राण निकल गए जिसके बाद केवट राज की कथा चित्रकुट का विस्तार प्रसंग और आरती पश्चात कथा विराम हुआ।

स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय ठेलका में मतदाता जागरूकता हेतु विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन

ठेलका (समय दर्शन)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय ठेलका में मतदाता जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मतदाता जागरूकता रैली से हुई, जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने मतदान हमारा अधिकार, लोकतंत्र का आधार जैसे नारों के माध्यम से आम नागरिकों को मतदान के प्रति जागरूक किया।

इसके पश्चात वाद-विवाद प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, पेंटिंग एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने लोकतंत्र, मतदान का महत्व, निष्पक्ष एवं निर्भीक मतदान जैसे विषयों पर रचनात्मक एवं प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दीं। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री टिकेश्वर लाल साहू ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक का मतदान में सहभागिता आवश्यक है। जागरूक मतदाता ही सशक्त राष्ट्र की नींव रखते हैं। कार्यक्रम का सफल संचालन नोडल अधिकारी श्री अजय शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। अंत में सभी उपस्थित जनों को आगामी निर्वाचन में अनिवार्य रूप से मतदान करने की शपथ दिलाई गई तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सुपेला संडे मार्केट में बड़ा अतिक्रमण अभियान, ट्रैफिक सुधारने जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

भिलाई। भिलाई के सुपेला संडे मार्केट में रविवार सुबह जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की। बिगड़ती ट्रैफिक व्यवस्था और लगातार मिल रही शिकायतों के चलते यह अभियान सुबह करीब 6 बजे शुरू किया गया।

कार्रवाई के दौरान भिलाई नगर निगम का पूरा अमला, भारी संख्या में पुलिस बल, महिला पुलिस तथा सुपेला और वैशाली नगर थाने की टीम मौके पर तैनात रही। प्रशासन ने सड़क पर अवैध रूप से लगाए गए ठेले, अस्थाई दुकानें और निर्माण को हटाया। भारी पुलिस बल की मौजूदगी के कारण किसी भी दुकानदार द्वारा विरोध नहीं किया गया और कार्रवाई शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। प्रशासन ने कार्रवाई से पहले शनिवार देर रात सभी दुकानदारों को अतिक्रमण हटाने की सूचना दे दी थी। इसके बावजूद सड़क पर लगाए गए अस्थाई दुकानों को रविवार सुबह हटाया गया।

भिलाई नगर एसडीएम हितेश पिस्दा ने बताया कि सुपेला चौक से गदा चौक तक संडे मार्केट लगने से ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती थी, जिससे दुर्घटनाएं भी हो रही थीं। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाना है।

ग्राम पंचायत हसदा में आवास व मनरेगा योजनाओं की समीक्षा हेतु चौपाल आयोजित

ग्रामीणों को रोजगार, आजीविका, जल संरक्षण एवं प्रधानमंत्री आवास योजनाओं की दी गई विस्तृत जानकारी

बेमेतरा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्रीमती प्रतिष्ठा ममगई के मार्गदर्शन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बेमेतरा श्रीमती प्रेमलता पद्माकर द्वारा जनपद पंचायत बेरला अंतर्गत ग्राम पंचायत हसदा में प्रधानमंत्री आवास योजना एवं महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) की समीक्षा हेतु चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल के दौरान ग्रामीणों को शासन की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई तथा उनकी समस्याओं को सुनते हुए मौके पर ही निराकरण किया गया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती प्रेमलता पद्माकर द्वारा चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों को विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) ङ्क (ङ्कक्क-त-ऋरू-त) के अंतर्गत मिलने वाले लाभों की जानकारी दी गई।

उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत ग्रामीणों को 125 दिनों का गारंटीकृत रोजगार, बेरोजगारी भत्ता, नए स्वीकृत कार्यों सहित अन्य अधिकार एवं प्रावधान उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सके। चौपाल में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को आवास निर्माण हेतु मिलने वाली वित्तीय सहायता, निर्माण की प्रक्रिया तथा समय-सीमा की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने हितग्राहियों को समय पर निर्माण पूर्ण करने एवं गुणवत्ता बनाए रखने हेतु प्रेरित किया।

जल संरक्षण पर विशेष जोर, रिचार्ज पिट बनाने की दी गई जानकारी

चौपाल के दौरान जल संरक्षण को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। अधिकारियों ने बताया कि रिचार्ज पिट निर्माण से वर्षा जल का भू-जल में पुनर्भरण होता है, जिससे भूजल स्तर बढ़ता है और पेयजल संकट कम होता है। ग्रामीणों को रिचार्ज पिट निर्माण की तकनीक, लागत एवं इसके दीर्घकालिक लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई।

चौपाल में आजीविका डबरी निर्माण के महत्व पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बताया गया कि आजीविका डबरी से जल संरक्षण के साथ-साथ मछली पालन, सिंचाई एवं अन्य आजीविका गतिविधियों के अवसर सृजित होंगे।

रूपेश कुमार साहू के पुत्र के जन्मोत्सव पर पहुंचे लाभचंद बाफना

थानखम्हरिया (समय दर्शन)। रूपेश कुमार साहू के पुत्र के जन्मोत्सव के अवसर पर बरगा में हर्षोल्लास का वातावरण देखने को मिला। इस शुभ अवसर पर पूर्व संसदीय सचिव एवं पूर्व विधायक लाभचंद बाफना विशेष रूप से बरगा पहुंचे और नवजात शिशु को स्नेहपूर्वक आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने साहू परिवार को शुभकामनाएं देते हुए शिशु के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में पूर्व मंडल अध्यक्ष थानखम्हरिया तोरन पुन्नी यादव, राजेन्द्र वर्मा एवं बल्लु नोहर पाल भी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने नवजात शिशु को आशीर्वाद देकर परिवार की खुशियों में सहभागिता निभाई। इस अवसर पर तखतराम साहू, पीलुराम साहू, कियत साहू, प्रताप साहू सहित परिवार के अन्य सदस्य एवं शुभचिंतक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। जन्म उत्सव के दौरान आपसी सौहार्द, स्नेह और मंगलकामनाओं का भाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ। जन्मोत्सव के अवसर पर स्वरधारा मानस परिवार खाती (श्रवण कुमार साहू) द्वारा प्रस्तुति दिया गया।

20 प्रतिशत धान की नही हो पाएगी खरीदी, मंगलवार तक कलेक्टर दुर्ग को टोकन लिमिट बढ़ाने अथवा धान खरीदी का समय बढ़ाने अल्टीमेटम

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी, दुर्ग (ग्रामीण) के जिला अध्यक्ष श्री राकेश ठाकुर ने जामगांव (एम) सहित क्षेत्र के विभिन्न धान खरीदी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भाजपा सरकार की किसान विरोधी नीतियों एवं धान खरीदी व्यवस्था में व्याप्त गंभीर अव्यवस्थाएं खुलकर सामने आईं।

निरीक्षण के दौरान जिला अध्यक्ष श्री ठाकुर ने किसानों से विभिन्न विषयों को लेकर जानकारी लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित किसानों ने खुलकर अपनी समस्याएं रखीं। किसानों ने निर्धारित तिथि तक धान खरीदी पूरी न होने, टोकन की सीमा कम होने तथा धान खरीदी से वंचित रखने सरकार के खिलाफगंभीर शिकायतें दर्ज कराईं।

जामगांव (एम) सोसायटी का आंकड़ा साझा करते हुए श्री ठाकुर ने बताया कि 31 जनवरी तक कुल लगभग 50 हजार क्विंटल धान खरीदी का ही टोकन जारी किया गया है, जबकि उक्त सोसायटी में कुल 62 हजार क्विंटल धान की खरीदी प्रस्तावित है। ऐसी ही स्थिति पूरे दुर्ग जिले में बनी हुई है, जिससे लगभग 20 प्रतिशत धान की खरीदी नहीं हो पाएगी। यह भाजपा सरकार की सोची-समझी साजिश को दर्शाता है, जिसमें किसानों को जानबूझकर नुकसान पहुंचाया जा रहा है। श्री ठाकुर ने स्पस्ट कहा कि हमारे पास जानकारी है कि सरकार जानबूझकर किसानों का पूरा धान नही खरीदना चाहती इसीलिए धान खरीदी के तय सीमा के बाद भी टोकन के अनुसार लगभग 20 प्रतिशत धान की खरीदी नही हो पायेगा। निरीक्षण के बाद भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि 卐भाजपा सरकार किसानों के पसीने की कमाई के साथ खुला खिलवाड़ कर रही है। एक ओर करोड़ों रुपये का धान गोदामों में 'मुसवा (चूहा)' के नाम पर गायब किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर किसान अपना धान बेचने के लिए घंटों लाइनों में खड़े होने को मजबूर हैं卐

उन्होंने कहा कि वर्तमान धान खरीदी व्यवस्था से यह स्पष्ट है कि सरकार धान की खरीदी करने में असफल रहा है, जो भाजपा सरकार की नाकामी और भ्रष्टाचार का जीवंत प्रमाण है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री ठाकुर ने कलेक्टर, दुर्ग से मांग की कि मंगलवार तक किसानों का शत-प्रतिशत धान खरीदी सुनिश्चित करने हेतु तत्काल टोकन लिमिट बढ़ाई जाए अथवा धान खरीदी की समय-सीमा में विस्तार किया जाए ताकि किसान अपना धान बेंच सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यह मांग पूरी नहीं की गई तो कांग्रेस पार्टी द्वारा मंगलवार को आयोजित मुसवा प्रदर्शन में उक्त मामले को लेकर भी किसानों के हित में उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

एसईसीएल का पहला चिंतन शिविर, आत्मनिर्भर भारत के अनुरूप भावी रणनीतिक रोडमैप तय

रायपुर (समय दर्शन)। ऊर्जा सुरक्षा, संस्थागत सुधार और दीर्घकालिक रणनीतिक दिशा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए कोल इंडिया लिमिटेड की प्रमुख सहायक कंपनी, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने बिलासपुर स्थित अपने मुख्यालय में पहली बार 'चिंतन शिविर' का आयोजन किया। यह नेतृत्व आधारित मंथन आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप संगठन के भविष्य को आकार देने की दिशा में एक संरचित और सहभागी प्रयास के रूप में उभरा। यह 'चिंतन शिविर' हाल ही में नई दिल्ली में कोयला मंत्रालय द्वारा आयोजित चिंतन शिविर की पृष्ठभूमि में परिकल्पित किया गया था और इसका उद्देश्य राष्ट्रीय ऊर्जा प्राथमिकताओं के अनुरूप एसईसीएल की रणनीति को सुदृढ़ करना रहा। एसईसीएल में इस प्रक्रिया की शुरुआत परिचालन क्षेत्रों में आंतरिक चिंतन शिविरों से हुई, जो बाद में मुख्यालय स्तर पर समेकित मंथन में परिणत हुई, जिससे व्यापक सहभागिता और समग्र समीक्षा सुनिश्चित हो सकी। चिंतन शिविर का नेतृत्व साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हरिश दुहन ने किया। इसमें कार्यात्मक निदेशकों, मुख्य सतर्कता अधिकारी सहित मुख्यालय और सभी परिचालन क्षेत्रों के लगभग 200 अधिकारियों ने भाग लिया। इनमें क्षेत्रीय महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष तथा कार्यकारी ग्रेडङ्क5 (ई-5) स्तर तक के बड़ी संख्या में युवा अधिकारी शामिल थे, जो संगठन की भावी नेतृत्व क्षमता पर विशेष फोकस को दर्शाता है। अपने संबोधन में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक ने कहा कि एसईसीएल को एक बार फिर देश की अग्रणी कोयला कंपनी बनने के लिए संगठित प्रयास करने होंगे। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सुधार केवल नीतिगत इरादों तक सीमित न रहें, बल्कि दैनिक कार्य संस्कृति और निर्णय प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा बनें। दीर्घकालिक दृष्टि को रेखांकित करते हुए उन्होंने विविधीकरण, औद्योगिक सहभागिता और नेट-जीरो रोडमैप में अग्रणी बने रहने की आवश्यकता पर जोर दिया तथा विज़न 20×0 और विज़न 2047 को मार्गदर्शक ढांचे के रूप में अपनाने का आह्वान किया। युवा अधिकारियों को संगठन की भविष्य की रीढ़ बताते हुए उन्होंने एसईसीएल को भविष्य के लिए तैयार संस्था में रूपांतरित करने में उनकी अग्रणी भूमिका पर विश्वास जताया। चिंतन शिविर का प्रमुख उद्देश्य संगठनात्मक प्रदर्शन की समीक्षा करना, कमियों की पहचान करना और कोयला उत्पादन, डिस्पैच व्यवस्था, खान सुरक्षा, लागत दक्षता, सतत विकास पहलों तथा डिजिटलीकरण को सुदृढ़ करने के लिए स्पष्ट और समयबद्ध कार्य योजनाओं पर विचार-विमर्श करना रहा। विज़न 20×0 और विज़न 2047 से जुड़े दीर्घकालिक विषयों, जिनमें विविधीकरण, उद्योग से जुड़ाव और नेट-जीरो लक्ष्य शामिल हैं, पर भी विशेष चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा 15 विस्तृत प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें भूमिगत उत्पादन योजना, गुणवत्ता नियंत्रण, फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी संचालन, भूमि अधिग्रहण एवं पुनर्वास, पर्यावरण एवं वन स्वीकृतियां, सौर एवं नवीन ऊर्जा, डिजिटलीकरण एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग, मानव संसाधन विकास, वित्त तथा संविदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल थे। प्रत्येक प्रस्तुति के बाद संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, कार्यात्मक निदेशक तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी की सक्रिय भागीदारी रही। इस खुले और सहभागी मंच ने विचारों के आदान-प्रदान, नवाचारी सुझावों और रचनात्मक प्रतिक्रियाओं को प्रोत्साहित किया, जिससे शीर्ष-स्तरीय मार्गदर्शन और जमीनी स्तर से प्राप्त फीडबैक के बीच संतुलन स्थापित हुआ। एसईसीएल का यह पहला 'चिंतन शिविर' नीति निर्माण और निर्णय प्रक्रिया को सुदृढ़ करने की दिशा में एक मजबूत आधार प्रदान करेगा और संगठन की परिचालन उत्कृष्टता, सतत विकास तथा राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत बनाएगा ।

स्व. नारायण सिंह स्मृति अभा स्वर्ण कप हॉकी : एसईआर कोलकाता बना चैंपियन, बीएसएफजालंधर उपविजेता

राजनांदगांव (समय दर्शन)। बालाघाट (मध्यप्रदेश) में 11 से 17 जनवरी 2026 तक आयोजित स्वर्गीय नारायण सिंह स्मृति अखिल भारतीय स्वर्ण कप हॉकी टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला व समापन समारोह गरिमामयी माहौल में संपन्न हुआ। फाइनल में एसईआर कोलकाता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बीएसएफजालंधर को पराजित कर खिताब अपने नाम किया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री गौरी शंकर बिसेन (पूर्व सांसद व विधायक) रहे। अध्यक्षता फिरोज अंसारी (सह सचिव, हॉकी इंडिया) ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती भारती ठाकुर (अध्यक्ष-नगर पालिका बालाघाट), किरण भाई त्रिवेदी (अध्यक्षए नेहरू स्पोर्टिंग क्लब) तथा विजय वर्मा (आयोजन सचिव) उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि श्री गौरी शंकर बिसेन ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्व. नारायण सिंह की स्मृति में यह आयोजन खेल प्रतिभाओं को मंच देने और हॉकी को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। देश के विभिन्न राज्यों से आई नामी टीमों की भागीदारी के कारण प्रतियोगिता बेहद रोमांचक रही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे फिरोज अंसारी ने कहा कि यह टूर्नामेंट स्व. नारायण सिंह के खेल प्रेम और समाज के प्रति योगदान को समर्पित है। प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं में खेल भावना, अनुशासन और राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। सभी मुकाबले एफआईएच के नियमों के अनुसार खेले गए। उन्होंने विजेता व उपविजेता टीमों को बधाई देते हुए आयोजन समिति की सराहना की।

फाइनल मुकाबला एसईआर कोलकाता और बीएसएफजालंधर के बीच खेला गया, जिसमें दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। अंततः एसईआर कोलकाता ने बाजी मारते हुए स्वर्ण कप पर कब्जा जमाया।

विजेता टीम एसईआर कोलकाता को 2 लाख रुपए, उपविजेता बीएसएफ जालंधर को 1 लाख रुपए तथा फेयर प्ले अवार्ड सदर्न सर्विसेस बेंगलुरु को प्रदान किया गया। पुरस्कार वितरण फिरोज अंसारी एवं उपस्थित अतिथियों के हाथों हुआ।

इस अवसर पर रमेश रंगलानी, ऋषभ त्रिवेदी, दीपक टांक, वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी दिग्विजय श्रीवास्तव, वीरेंद्र ब्रह्मे, किशोर धीवर, राजकुमार झा, अश्वनी कुमार, अभिनव मिश्रा, इंदरपाल सिंह सहित मैच के अंपायर एवं तकनीकी अधिकारी मौजूद रहे।

नवीन पाठ्य पुस्तक एफएलएन प्रशिक्षण द्वितीय चरण संपन्न

एफएलएन प्रशिक्षण से मजबूत होगी बच्चों की बुनियादी नीव

अहिवारा (समय दर्शन)। जिला शिक्षा कार्यालय दुर्ग एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान दुर्ग अछोटी के संयुक्त तत्वावधान मे बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (एफएलएन) को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नवीन पाठ्यपुस्तकों पर आधारित पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण का आयोजन 12 से 16 जनवरी तक विकासखंड स्तोत्र केन्द्र धमधा में किया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ विकासखंड शिक्षा अधिकारी अथर्व शर्मा के मार्गदर्शन मे एव विकासखंड स्तोत्र समन्वयक केशव पटेल के संयोजन मे संपन्न हुआ।

बेसिक शिक्षा मजबूत होगी तो भविष्य भी सुदृढ़ होगा

विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि बच्चों की शैक्षणिक नींव जितनी मजबूत होगी, उनका भविष्य उतना ही उज्ज्वल होगा। प्रारंभिक कक्षाओं में बुनियादी शिक्षा पर विशेष ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। बी आर सी केशव पटेल ने कहा कि कक्षानुरूप बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान देना हम सभी शिक्षकों की प्राथमिक जिम्मेदारी है, जिसे गंभीरता से निभाना होगा।

राज्य व जिला स्तर के विशेषज्ञों ने किया निरीक्षण

प्रशिक्षण का निरीक्षण ऑफलाइन और आनलाइन एससीईआरटी और डाइट दुर्ग,जिला टीम के द्वारा निरंतर किया गया एसआरजी लालिमा चंद्राकर द्वारा प्रशिक्षण का मॉनिटरिंग किया गया।

बी आर जी सूर्यकात हरदेल ने नवीन पाठ्यपुस्तकों की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पाठ्यक्रम में 90 प्रतिशत भाग एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा 10 प्रतिशत स्थानीय जरूरतों के अनुसार तैयार किया गया है। इसमें रटने की बजाय समझ आधारित अध्ययन, गतिविधियां और खेल को प्रमुखता दी गई है। उन्होंने शिक्षकों से नए सुझाव भी आमंत्रित किए। सुनील बंछोर ने कहा कि बच्चों का समग्र विकास ही हमारा मुख्य लक्ष्य है और उसी दिशा में शिक्षण कार्य होना चाहिए।

विनोद साहू ने सही उच्चारण और चित्रों के माध्यम से शिक्षण पर बल देते हुए कहा कि गलत उच्चारण बच्चों में समझ की कमी पैदा करता है, जिससे वे शाला त्याग की ओर बढ़ सकते हैं। इसलिए चरणबद्ध और स्पष्ट शिक्षण आवश्यक है। सपना दुबे ने पुरानी एवं नवीन पाठ्यपुस्तकों की तुलना करते हुए शिक्षकों को व्यावहारिक जानकारी दी।

मास्टर ट्रेनर सूर्यकान्त हरदेल और बंशी लाल साहू ने एनसीएफ-2022 एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के संदर्भ में चार-ब्लॉक मॉडल, मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन-लेखन, संतुलित भाषा एवं विभिन्न प्रकार के आकलन पर विस्तृत चर्चा की। मास्टर ट्रेनर चित्रेन पटेल ने बुनियादी गणित. घटक, निपुणता, उनके दृष्टिकोण, चार-ब्लॉक मॉडल एवं लर्निंग पिरामिड की जानकारी दी।

ला शिक्षण में कलाकारों द्वारा विभिन्न कला का प्रदर्शन किया गया,संगीत,नृत्य,अभिनय ,रंग मंच की प्रस्तुति दिया गया। योग शिक्षा में वीरेंद्र कुमार देवांगन प्रशिक्षक के द्वारा विभिन्न योगासन,प्रक्रिया और महत्व को बताया गया और डेमो दिखाया गया।

मास्टर ट्रेनर नम्रता देवांगन ने प्रशिक्षण के उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा कि प्राथमिक शिक्षा को मजबूत बनाना तथा बच्चों में अक्षर ज्ञान और संख्या ज्ञान विकसित करना एफएलएन कार्यर म का मूल लक्ष्य है।

वेतन विसंगति दूर करने और ऑनलाइन हाजिरी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग

सहायक शिक्षक फेडरेशन ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बलरामपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक/समग्र शिक्षक फेडरेशन (जिला इकाई बलरामपुर-रामानुजगंज) द्वारा सोमवार को मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री एवं शिक्षा सचिव के नाम जिला कलेक्टर को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान जिलेभर से आए सैकड़ों शिक्षकों ने एकजुट होकर अपनी मांगों के समर्थन में उपस्थित रहकर शक्ति प्रदर्शन किया।

ज्ञापन में फेडरेशन ने प्रदेश सरकार को 'मोदी की गारंटी' के तहत किए गए वादों की याद दिलाते हुए सहायक शिक्षकों की लंबे समय से लंबित वेतन विसंगति को तत्काल दूर करने की मांग की। साथ ही प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा की गणना करते हुए सभी एल.बी. संवर्ग के शिक्षकों को क्रमोन्नत वेतनमान सहित उनके वैधानिक लाभ प्रदान करने की मांग रखी गई। फेडरेशन ने ङ्कस्य (विद्या समीक्षा केंद्र) ऐप के माध्यम से निजी मोबाइल से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने की अनिवार्यता का कड़ा विरोध करते हुए इसे तुरंत समाप्त करने की मांग की। इसके अलावा पदोन्नति एवं अन्य विभागीय प्रक्रियाओं में ञ्ज.श्व.ञ्ज. की बाध्यता समाप्त करने की बात भी ज्ञापन में प्रमुखता से कही गई। इस अवसर पर संगठन के जिलाध्यक्ष देवनारायण गुप्ता के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया। कार्यक्रम में महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सरोज शर्मा, जिला सचिव संतोष सिंह, जिला प्रवक्ता प्रभाकर मुखर्जी, कमल किशोर मांझी, अजीत कुमार गुप्ता (ब्लॉक अध्यक्ष, रामचंद्रपुर), मनोज जायसवाल (ब्लॉक अध्यक्ष, वाड्रफनगर), धीरज कुमार गुप्ता (ब्लॉक अध्यक्ष, कुसमी), लवंगसाय राही (ब्लॉक अध्यक्ष, राजपुर), दुहनराम (ब्लॉक अध्यक्ष, शंकरगढ़) सहित प्रवीण कुमार सिंह, अरविंद कुमार गुप्ता, महिपाल यादव, कपिलदेव विश्वकर्मा, राजेश्वर मांझी, सुशील तीर्की, देवचंद एवं बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

खबर-खास

अवैध धान परिवहन एवं भंडारण पर सख्त कार्रवाई

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुन्द जिले में अवैध धान परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार निरंतर सघन कार्रवाई की जा रही है।

इसी तारतम्य में विभिन्न तहसीलों में मंडी अधिनियम के तहत कई स्थानों पर बीती रात और आज कार्रवाई कर कुल 772 कट्टा धान जप्त किया गया। पिथौरा विकासखंड अंतर्गत एवं बसना अंचल के गांव रजपालपुर, झारमुडा के समीप अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे 100 बोरे धान को पकड़कर मंडी अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई।

वहीं ग्राम भुरकोनी में लखन डडसेना के निवास पर 250 बोरी धान का अवैध भंडारण पाया गया। इस पर राजस्व विभाग एवं मंडी विभाग द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए मंडी अधिनियम के तहत धान जप्त किया गया। इसी प्रकार विकासखंड बसना क्षेत्र में अवैध धान परिवहन के एक अन्य प्रकरण में लगभग 200 कट्टा धान जब्त किया गया। वहीं ग्राम पोटापारा में 86 पैकेट अवैध धान पाए जाने पर नियमानुसार जब्ती की कार्रवाई की गई।

इसी प्रकार सरायपाली विकासखंड अंतर्गत ओडिशा से आ रहे दो पिकअप वाहनों को सरायपाली मंडी सचिव, मंडी कर्मचारियों एवं नाका कर्मचारियों द्वारा जगलबेड़ाङ्गोहेरा पाली मोड़ पर रोककर जांच की गई, जिसमें लगभग 136 पैकेट धान अवैध रूप से परिवहन करते पाए गए। उक्त धान को मंडी अधिनियम के तहत जब्त किया गया। जिला प्रशासन ने निर्देशित किया है कि अवैध धान परिवहन एवं भंडारण पर किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी तथा आगे भी ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

सुपेला संडे मार्केट में बड़ा अतिक्रमण अभियान, ट्रैफिक सुधारने जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

भिलाई (समय दर्शन)। भिलाई के सुपेला संडे मार्केट में रविवार सुबह जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की। बिगड़ती ट्रैफ्फिक व्यवस्था और लगातार मिल रही शिकायतों के चलते यह अभियान सुबह करीब 6 बजे शुरू किया गया।

कार्रवाई के दौरान भिलाई नगर निगम का पूरा अमला, भारी संख्या में पुलिस बल, महिला पुलिस तथा सुपेला और वैशाली नगर थाने की टीम मौके पर तैनात रही। प्रशासन ने सड़क पर अवैध रूप से लगाए गए ठेले, अस्थाई दुकानें और निर्माण को हटाया। भारी पुलिस बल की मौजूदगी के कारण किसी भी दुकानदार द्वारा विरोध नहीं किया गया और कार्रवाई शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई।

प्रशासन ने कार्रवाई से पहले शनिवार देर रात सभी दुकानदारों को अतिक्रमण हटाने की सूचना दे दी थी। इसके बावजूद सड़क पर लगाए गए अस्थाई दुकानों को रविवार सुबह हटाया गया। भिलाई नगर एसडीएम हितेश पिस्दा ने बताया कि सुपेला चौक से गदा चौक तक संडे मार्केट लगने से ट्रैफ्फिक जाम की स्थिति बनती थी, जिससे दुर्घटनाएं भी हो रही थीं। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाना है। उन्होंने अस्थाई व्यापारियों को भविष्य में सड़क पर दुकान न लगाने की हिदायत दी। वहीं भिलाई नगर सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने कहा कि लंबे समय से अव्यवस्था की शिकायतें मिल रही थीं। इन्हीं शिकायतों के आधार पर जिला प्रशासन और पुलिस ने कार्रवाई की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आगामी दिनों में भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

निखत जरीन की मौजूदगी में एनएमडीसी किरंदुल ने गणतंत्र दिवस पर आयोजित की 10 व 5 किमी मैराथन

एनएमडीसी बैलाडीला आयरन ओर माइन किरंदुल में गणतंत्र दिवस उत्सव: निखत जरीन ने फहराई हरी झंडी, जानवी साहू बनीं महिला वर्ग की चैंपियन

दंतेवाड़ा किरंदुल (समय दर्शन)। गणतंत्र दिवस की 76वीं वर्षगांठ के अवसर पर नवरत्न कंपनी एनएमडीसी लिमिटेड के बैलाडीला आयरन ओर माइन, किरंदुल कॉम्प्लेक्स ने विश्व स्तर पर प्रसिद्ध अपनी उत्कृष्ट लौह अयस्क उत्खनन क्षमता को सेलिब्रेट करते हुए एक भव्य खेल आयोजन किया। दो बार की विश्व मुक्केबाजी चैंपियन एवं एनएमडीसी की ब्रांड एम्बेसडर निखत जरीन की गरिमामयी उपस्थिति में 10 किमी और 5 किमी की मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। बता दे रविवार सुबह 7:30 बजे नगर के फुटबॉल ग्राउंड से शुरू हुई इस मैराथन का शुभारंभ निखत जरीन एवं एनएमडीसी परियोजना के अधिशासी निदेशक रविंद्र नारायण ने हरी झंडी दिखाकर किया। किरंदुल एवं आसपास के क्षेत्रों से लगभग 900 उत्साही प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। **परिणाम इस प्रकार रहे:** 10 किमी पुरुष वर्ग प्रथम: सुकराम ओयाम, द्वितीय: रोशन कुमार बारसा, तृतीय: सुजीत कुमार, 5 किमी वर्ग (संयुक्त/महिला सहित उल्लेखनीय) प्रथम: रिंकू, द्वितीय: रोशन, तृतीय: सुजीत कुमार, महिला वर्ग (विशेष उल्लेख), प्रथम: केंद्रीय विद्यालय किरंदुल की छात्रा जानवी साहू।

विजेताओं को निखत जरीन ने स्वयं पुरस्कृत किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन) के.पी. सिंह, विभिन्न विभागाध्यक्ष, बड़ी संख्या में एनएमडीसी कर्मचारी, गणमान्य नागरिक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

यह आयोजन एनएमडीसी की सामाजिक जिम्मेदारी और खेल-कूद को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिससे स्थानीय युवाओं में फिटनेस और राष्ट्रभक्ति की भावना मजबूत हुई।

जिले में मशाल गौरव यात्रा रथ का भव्य स्वागत

बेमेतरा (समय दर्शन)। भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा छत्तीसगढ़ की मेजबानी में आयोजित होने वाले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के प्रथम संस्करण का आयोजन आगामी 14 फरवरी 2026 से किया जा रहा है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इन खेलों के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से मशाल गौरव यात्रा प्रारंभ की गई है, जो प्रदेश के विभिन्न जिलों का भ्रमण कर रही है। इसी क्रम में 18 जनवरी को मशाल गौरव यात्रा का रथ बेमेतरा जिला पहुँचा, जहाँ उसका बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ भव्य स्वागत किया गया।

कलेक्ट्रेट परिसर में हुआ स्वागत, छात्राओं ने मोहा मन

मशाल गौरव यात्रा सर्वप्रथम कलेक्ट्रेट परिसर पहुँची, जहाँ जिला खेल अधिकारी सुश्री पिंकी मनहर सहित अन्य अधिकारियों ने रथ एवं खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के शुभंकर 'मोर वीर' का स्वागत किया। स्वागत अवसर को और भी यादगार बनाते हुए कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने मनमोहक प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर जिला क्रीड़ा संघ के सचिव एवं प्रशिक्षक श्री अजय वर्मा एवं उनकी टीम द्वारा भी शुभंकर मोर वीर का अभिनंदन किया गया।

मशाल गौरव यात्रा रथ एवं शुभंकर मोर वीर के साथ बच्चों द्वारा रैली भी निकाली गई। रथ यात्रा बेमेतरा नगर में भ्रमण करते हुए सिग्नल चौक पहुँची, जहाँ आतिशबाजी के साथ रथ का भव्य स्वागत किया गया। यहाँ पुलिस एवं यातायात विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने भी मोर वीर का स्वागत कर खेलों के प्रति अपना उत्साह प्रकट किया।

रथ यात्रा इसके पश्चात स्वामी विवेकानंद स्टेडियम, कटिली पहुँची, जहाँ नगर पालिका अध्यक्ष श्री विजय सिन्हा, प्रदेश संयोजक किसान मोर्चा श्री हर्षवर्धन तिवारी एवं पार्षद श्री गौरव साहू ने शुभंकर मोर वीर का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्री विजय सिन्हा ने मेडल एवं मोमेंटो भेंट कर मोर वीर का सम्मान किया।

नालंदा परिसर सिर्फ इमारत नहीं, युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की बुनियाद होगी - सांसद रुपकुमारी

बसना में नालंदा परिसर का भूमिपूजन

बसना (समय दर्शन)। बसना के वार्ड क्रमांक 01स्थित पीएम श्री विद्यालय एवं माडर्न पब्लिक स्कूल बसना के पास नालंदा परिसर का भूमिपूजन किया गया।

इस दौरान क्षेत्रीय सांसद रुप कुमारी चौधरी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि,नालंदा परिसर का निर्माण शिक्षा, संस्कृति और समाज निर्माण को नई दिशा प्रदान करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह परिसर क्षेत्र के बच्चों एवं युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला सिद्ध होगा। भूमिपूजन के दौरान स्थानीय नागरिकों का उत्साह और उनकी सक्रिय सहभागिता यह प्रमाणित करती है कि, बसना क्षेत्र मे शिक्षा के प्रति जागरूकता और विकास के प्रति समर्पित भाव से निरंतर आगे बढ़ रहा है। श्रीमती रुपकुमारी चौधरी महासमुंद लोकसभा सांसद ने नालंदा परिसर की सफ्लता का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार युवाओं के सपनों को उड़ान देने का काम कर रही है। छत्तीसगढ़ के हर क्षेत्र के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का अवसर मिले।

इसके लिए माननीय साय सरकार अलग-अलग क्षेत्र के शहरों में नालंदा परिसर का निर्माण कर रहे हैं। सुकमा से लेकर सूरजपुर और रायगढ़ से लेकर कवर्धा तक ङ्क हर कोने में अत्याधुनिक सेंट्रल लाइब्रेरी-सह-रीडिंग जोन खोले जा रहे हैं। ये नालंदा परिसर सिर्फइमारत नहीं, युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की बुनियाद हैं। कार्यक्रम में बसना के लोकप्रिय और सक्रिय विधायक डॉ सम्पत अग्रवाल की प्रेरक उपस्थिति रही। नगर पंचायत बसना अध्यक्ष डॉ खुशबू अग्रवाल, जितेंद्र त्रिपाठी, नरेन्द्र यादव, पार्षदगण तथा भाजपा के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सुधा वाटिका में मूर्ति खंडन का आरोपी गिरफ्तार, मनोरोग चिकित्सालय भेजने का आदेश

कवर्धा (समय दर्शन)। थाना कवर्धा क्षेत्र अंतर्गत ठाकुर पारा स्थित सुधा वाटिका गार्डन परिसर में शिव मंदिर के शिवलिंग एवं नंदी महाराज के खंडन की गंभीर घटना को कवर्धा पुलिस द्वारा गंभीरता से लेते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही की गई। घटना से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचने के संबंध में दिनांक 10.01.2026 को थाना कवर्धा में अपराध क्रमांक 20/2026 धारा 298 बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह (प्पै) के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पुष्पेंद्र बघेल एवं श्री अमित पटेल के मार्गदर्शन में एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कृष्ण कुमार चंद्राकर के पर्यवेक्षण में थाना कवर्धा पुलिस द्वारा घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण कर साक्ष्य संकलन, नजरी नक्शा तैयार करना, गवाहों के कथन लेना एवं आसपास के क्षेत्र में सघन पतासाजी की गई। पुलिस की सतर्कता एवं सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप घटना में संलिप्त आरोपी राज देवार उर्फछोटे देवार पिता कृष्णा देवार उम्र 19 वर्ष निवासी लोहारा नाका वार्ड क्रमांक 05 कवर्धा को चिन्हित कर विधिवत गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ के दौरान आरोपी का व्यवहार असामान्य पाए जाने पर निष्पक्ष एवं वैधानिक जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आरोपी का जिला चिकित्सालय कवर्धा में चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया, जहां चिकित्सक द्वारा उसे शारीरिक रूप से स्वस्थ किंतु मानसिक रूप से अस्वस्थ पाया गया एवं समुचित उपचार हेतु मनोरोग चिकित्सालय सेन्द्री, जिला बिलासपुर रेफर किया गया। जांच में यह भी तथ्य सामने आया कि आरोपी का पूर्व में भी मनोरोग चिकित्सालय सेन्द्री, बिलासपुर में उपचार कराया जा चुका है।

आरोपी को 15.01.2026 को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी की मानसिक स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए उसे समुचित उपचार हेतु मनोरोग चिकित्सालय सेन्द्री, जिला बिलासपुर भेजे जाने का आदेश पारित किया गया।

कवर्धा पुलिस द्वारा धार्मिक स्थलों की सुरक्षा, कानून व्यवस्था एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने हेतु पूरी तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। जिले में शांति एवं सद्भाव भंग करने वाले किसी भी कृत्य पर कठोर एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

इस कार्यवाही में थाना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक योगेश कश्यप, शालिनी वर्मा, रघुवंश पाटिल, सुनील यादव, अजय वैष्णव, हीरेन्द्र, संतोष बांधेकर, धर्मेंद्र मरावी, साइबर प्रभारी निरीक्षक महेश प्रधान, आरक्षक संदीप शुक्ल 509, आरक्षक गोपाल राजपूत 97 का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

गुरुकुल में दी गई सड़क सुरक्षा की जानकारी

कवर्धा (समय दर्शन)। जनपद की सुप्रतिष्ठित अंग्रेजी माध्यम शाला गुरुकुल पब्लिक स्कूल में यातायात विभाग कवर्धा ने सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षक कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा की विशेष जानकारी दी। यातायात विभाग के ट्रैफ्फिक इंचार्ज अजयकांत तिवारी एवं उनके सहयोगियों ने रोचक ढंग से विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के विषय में समझाया।

यातायात नियमों की जानकारी देते हुए श्री तिवारी ने कहा कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को वाहन नहीं चलाना चाहिए। यदि उनके द्वारा दुर्भाग्यवश दुर्घटना होती है, तो उनके पिता स्वमेव आरोपी बन जाएंगे और उन पर अपराधिक तौर पर कानून लागू होगा।

उन्होंने सभी को समझाया कि शाला के शिक्षक एवं अन्य कर्मचारियों को दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य है। जो चार पहिया वाहन चलाते हैं, उन्हें अनिवार्य रूप से सीट बेल्ट बाँधना चाहिए। साथ ही वाहन से संबंधित कागजात अपने पास रखना चाहिए। शाला के प्राचार्य मनोज कुमार राय ने भी बच्चों को समझाया कि वह अनाधिकृत रूप से वाहन चालन ना करें। अपने माता-पिता को भी यातायात नियमों के विषय में समझाएं। शाला के अध्यक्ष तथा अन्य पदाधिकारीगण ने संतोष व्यक्त किया कि इस जानकारी से विद्यालय के विद्यार्थी ही नहीं समस्त कर्मचारी भी लाभान्वित होंगे।

सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा

मीडिया प्रभारी शिक्षक डॉक्टर विजय कुमार शाही ने बताया कि यातायात इंचार्ज के द्वारा विद्यालय के सभी शिक्षकों कर्मचारियों एवं बस के चालक परिचालकों को समझाया गया कि वाहन का बीमा आवश्यक है जिससे दुर्घटना होने पर आर्थिक रूप से बचाव किया जा सके। उन्होंने समझाया कि जीवन अनमोल है। इसकी सुरक्षा किसी भी कीमत पर की जानी चाहिए इसलिए यातायात विभाग का स्लोगन है। सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा।

ओवरब्रिज से प्रभावित मंडी के 40 दुकानदारों के हित में प्रमोद जैन ने पेश किया प्रस्ताव

गुडरदेही (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री के प्रवास और क्षेत्र को मिली करोड़ों की सौगातों के बाद, नगर पंचायत गुंडरदेही के विकास की गति को एक और नई ऊंचाई मिली है। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत केंद्र सरकार द्वारा शहर के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु 32.32 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। विशेष रूप से शहर में ओवरब्रिज निर्माण के कारण प्रभावित होने वाले व्यापारियों के हित में भी नगर पंचायत ने एक बड़ा कदम उठाया है।मंडी दुकानदारों के विस्थापन पर मिल कर सभी ने सहमति बनाकर मुखरूप से दो विक्लपो के साथ नगर पंचायत कार्यालय में आज ओवरब्रिज निर्माण से प्रभावित होने वाले मंडी क्षेत्र के 40 दुकानदारों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। अध्यक्ष प्रमोद जैन पार्षदों और अधिकारियों की उपस्थिति में दुकानदारों के पुनर्वास पर विस्तार से चर्चा की। यदि व्यापारी उसी क्षेत्र में रहना चाहते हैं, तो नगर पंचायत उन्हें 33 नई दुकानें बनाकर देगी, जिसकी विकास लागत व्यापारियों को वहन करनी होगी। और अगर नया व्यापारिक क्षेत्र यदि वहां असुविधा होती है, तो नगर पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत 3 एकड़ शासकीय भूमि को समतल और विकसित कर दिया जाएगा, जिसकी लागत भी व्यापारियों को देनी होगी। नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि हमारा लक्ष्य किसी का रोजगार छीनना नहीं, बल्कि सबको व्यवस्थित करना है। हम सभी प्रभावितों को बेहतर व्यवस्थापन करके देंगे। व्यापारियों ने 2 महीने के भीतर निर्माण कार्य पूरा करने का आग्रह किया है और वे इस चर्चा से संतुष्ट हैं।

व्यापारियों को एक सप्ताह के भीतर अपना अंतिम निर्णय बताने को कहा गया है। बैठक के बाद सभी दुकानदारों ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए प्रशासन के सहयोग के प्रति संतोष व्यक्त किया।

समितियों में खरीदी लिमिट बढ़ी, अब प्रति दिन अधिक धान खरीदी संभव

जिले में 43 लाख क्विंटल से अधिक धान खरीदी, 90 हजार किसानों ने किया विक्रय

माइक्रो एटीएम व चेक से आसान भुगतान व्यवस्था

किसानों को 994 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान

मुंगेली(समय दर्शन)। शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जिले के 105 उपार्जन केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य पूरी पारदर्शिता एवं सुव्यवस्थित ढंग से जारी है। किसानों को धान विक्रय में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसे ध्यान में रखते हुए जिले की सभी समितियों में खरीदी लिमिट में वृद्धि की गई है। साथ ही प्रतिदिन खरीदी की सीमा भी बढ़ा दी गई है, जिससे खरीदी कार्य तेज और व्यवस्थित रूप से संपन्न हो रहा है।

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने बताया कि शासन द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार धान उपार्जन कार्य सुचारू रूप से संचालित है। टोकन काटने की प्रक्रिया निर्बाध रूप से जारी है और किसानों को धान विक्रय में किसी प्रकार की तकनीकी या प्रशासनिक समस्या नहीं हो रही है। जिला खाद्य अधिकारी हुलेश डड़सेना ने बताया कि खरीफविपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत जिले की 66 समितियों के 105 खरीदी केन्द्रों में 01 लाख 10 हजार 900 से अधिक किसान पंजीकृत हैं। अब तक 90 हजार से अधिक किसानों ने धान का विक्रय किया है। जिले में कुल 43 लाख क्विंटल से अधिक धान खरीदी की जा चुकी है, जिसमें मोटा 23 लाख 72 हजार 486 क्विंटल, पतला 134 क्विंटल एवं सरना 18 लाख 95 हजार 496 क्विंटल शामिल है।

उपार्जन केन्द्रों से धान का उठाव लगातार जारी है और अब तक 27 लाख 85 हजार क्विंटल से अधिक धान का उठाव किया जा चुका है। धान विक्रय करने वाले किसानों को माइक्रो एटीएम एवं चेक के माध्यम से त्वरित भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है। अब तक किसानों को 994 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का भुगतान किया जा चुका है। प्रतिदिन लगभग 03 हजार किसानों को करीब 12 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा रहा है।

अवैध भंडारण व परिवहन पर सत निगरानी

कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले की सीमाओं एवं चेक पोस्ट पर चौकसी बढ़ाई गई है। संदिग्ध वाहनों एवं परिवहन गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। कोचियों एवं बिचौलियों के माध्यम से अवैध धान खपाने पर रोक लगाने के लिए इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर स्थापित किया गया है, जिससे खरीदी, भंडारण एवं परिवहन की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है।

उप मुख्यमंत्री साव ने स्व. ताराचंद साहू की प्रतिमा स्थापना के लिए 40 लाख रूपए की घोषणा की

स्व. ताराचंद साहू स्मृति सम्मान समारोह में 36 रत्न हुए सम्मानित

स्वर्गीय ताराचंद साहू का सपना छत्तीसगढ़ की खुशहाली और गांवों की तरक्की था, जो आज साकार हो रहा है- उप मुख्यमंत्री साव

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग संभाग स्तरीय साहू सम्मेलन एवं स्वर्गीय ताराचंद साहू स्मृति सम्मान समारोह का आयोजन आज गरिमामय वातावरण में रविशंकर स्टेडियम मानस भवन में किया गया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री साव ने समाज सेवा, शिक्षा एवं संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विभिन्न समाजों के 36 रत्नों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि स्वर्गीय ताराचंद साहू एक कुशल संगठनकर्ता और जननेता थे, जो सभी समाजों को साथ लेकर चलने वाले नेता के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने अपने आचरण और व्यक्तित्व से समाज और राजनीति में अलग पहचान बनाई। उनका निधन 11 नवंबर 2012 को हुआ। आज उनके बताए मार्ग पर आज समाज आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय ताराचंद साहू के बाद उनके पुत्र श्री दीपक ताराचंद साहू समाज को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। युवा पीढ़ी को उनसे प्रेरणा लेकर समाज और राजनीति दोनों क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय ताराचंद साहू का सपना छत्तीसगढ़ की खुशहाली और गांवों की तरक्की था, जो आज साकार हो रहा है। छत्तीसगढ़ के विकास में सबका साथ, सबका विकास की भावना से कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव की मांग पर स्वर्गीय ताराचंद साहू की प्रतिमा स्थापना के लिए 40 लाख रुपये देने की घोषणा की।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि यह सम्मान समारोह स्वर्गीय ताराचंद साहू की स्मृति में आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि आज प्रत्येक समाजों में होने वाले परिचय सम्मेलन हमारे पुरोधा स्वर्गीय ताराचंद साहू की देन हैं। इस दौरान उन्होंने पूरे प्रदेश में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की आदमकद प्रतिमा स्थापना के लिए उप मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने दुर्ग-भिलाई के बीच वाई-शेप ब्रिज के निर्माण में स्वर्गीय ताराचंद साहू के योगदान का उल्लेख करते हुए उनकी प्रतिमा स्थापना का आग्रह किया। कार्यक्रम में सांसद श्री विजय बघेल, महापौर श्रीमती अलका बाघमार, साजा विधायक श्री ईश्वर साहू, बेमेतरा विधायक श्री दीपेश साहू, तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष श्री जितेन्द्र साहू, पूर्व मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू एवं श्रीमती रमशीला साहू, पूर्व विधायक बालोद श्री प्रीतम साहू, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कवर्धा डॉ. सियाराम साहू, पूर्व विधायक श्री अशोक साहू, श्री दीपक ताराचंद साहू, जिला साहू संघ अध्यक्ष श्री नंदलाल साहू, श्री दिनेश साहू, श्री चंद्रभूषण साहू सहित दुर्ग संभाग के विभिन्न जिलों से जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संस्कार अस्पताल में बिलासपुर के अनुपस्थित डॉक्टरों की भूमिका

बिलासपुर (समय दर्शन)। सुरक्षित मातृत्व की बातें हवा हवाई है। डॉक्टरों की पेशेवर लापरवाही सर चल कर बोल रही है। खबरें फुल पेज विज्ञापन की आड़ में खो जाती है। हाल ही में एक मामला रायपुर के इंदिरा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर देवेंद्र नगर में हुआ। नेहा साहू पति मनोज साहू लखोली राजनांदगांव की मौत आईवीएफसेंटर में ऑपरेशन के दौरान हुई। दो चिकित्सक डॉक्टर रश्मि और डॉक्टर कृष्ण चिरानिया के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। आईवीएफतकनीक से मां बनने पर दंपति लाखों रुपए खर्च करते हैं। ऐसे क्लीनिक में असली खेल तो विज्ञापन का है पहले यह विज्ञापन दैनिक अखबारों में होते थे अब तो गांव-गांव में होर्डिंग लगे दिखाई देते हैं। यह करोड़ का व्यवसाय है लापरवाही पूर्ण इलाज बच्चा पैदा करते समय हुई लापरवाही का एक मामला बलौदा बाजार के संस्कार अस्पताल का भी है। यह मामला जून 2025 का है संबंधित थाना गिधौरी में जांच चल रही है पर जांच में कुछ डॉक्टर को अछूता कर दिया गया है। संस्कार अस्पताल के संचालक मोहित राम साहू और शीतल साहू है। अस्पताल के रिकॉर्ड मेनू प्लेट हुए हैं। बिलासपुर सिम्स के दो डॉक्टर इस अस्पताल को रजिस्ट्रेशन मिले के लिए अपनी शैक्षिक डिग्री देकर रखे हैं अस्पताल में हुई लापरवाही के कारण अन्नु साहू पति रजनीश प्रजापति के इलाज में इन दो की भूमिका भी संदेह के दायरे में है। पर जांच की गति इतनी धीमी है कि गुनहगार बच जाएंगे बिलासपुर के कई चिकित्सक बी फार्मा की तर्ज पर अपनी डिग्रियां ब्लॉक लेवल के फर्जी नर्सिंग होम में देकर रखते हैं बदले में मोटा धन एठते हैं और दूर बैठकर सरकारी वेतन पाते हैं। ऐसी ही कहानी अभी मजदूरी ब्लॉक के एक नर्सिंग होम की जांच में उजागर हुई। संस्कार अस्पताल का मामला गंभीर है पुलिस जांच के अतिरिक्त सीएमओ की जांच भी हो रही है पर सब कुछ मैनेज हो जाए इस तरीके से।

संक्षिप्त-खबर

बम्हनीडीह में अवैध रेत उत्खनन , भंडारण पर कार्रवाई, जेसीबी व हाईवा जब्त

जांजगीर चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार खनिज विभाग एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा बम्हनीडीह क्षेत्र में अवैध खनिज गतिविधियों के विरुद्ध जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान मौके पर खनिज रेत के अवैध भंडारण, उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त पाए जाने पर 01 जेसीबी मशीन एवं 01 हाईवा वाहन को जब्त किया गया। जब्त किए गए दोनों वाहनों को पुलिस थाना बम्हनीडीह में पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। इसके साथ ही निरस्त भंडारण स्थल पर अवैध रूप से डंप कर रखी गई रेत को हटाकर नदी में वापस डाला गया। खनिजो के अवैध उत्खनन,परिवहन करने वालो के विरूद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 (ख) के तहत कार्यवाही की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन के विरुद्ध आगे भी निरंतर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर हिंदू जागरण मंच ने किया माल्यार्पण

राजनांदगांव (समय दर्शन)। महान राष्ट्रभक्त, युवाओं के प्रेरणास्रोत और सनातन संस्कृति के प्रखर विचारक स्वामी विवेकानंद की जयंती पर हिंदू जागरण मंच जिला राजनांदगांव द्वारा श्रद्धा व सम्मान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मंच के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर नमन किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्वामी विवेकानंद के विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन और दर्शन आज भी युवाओं को राष्ट्रसेवा, आत्मविश्वास और चरित्र निर्माण की प्रेरणा देता है। उन्होंने उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको के संदेश को वर्तमान समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया।

हिंदू जागरण मंच के जिला पदाधिकारियों ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का संपूर्ण जीवन भारत की सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक उत्थान को समर्पित रहा। उनके आदर्शों को आत्मसात कर ही एक सशक्त, संगठित और आत्मनिर्भर राष्ट्र का निर्माण संभव है।

कार्यक्रम का समापन स्वामी विवेकानंद के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और उनके बताए मार्ग पर चलने के संकल्प के साथ किया गया।

रानीतराई में 26 जनवरी से श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन

पाटन (समय दर्शन)। ब्लॉक के ग्राम रानीतराई में आगामी 25 जनवरी से श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन में सुप्रसिद्ध कथा वाचक पं. हरिशंकर वैष्णव श्रद्धालुओं को भागवत कथा का रसपान कराएंगे।

कार्यक्रम के आयोजक विजय वर्मा एवं लता वर्मा हैं। श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन रानीतराई बस स्टैंड परिसर में किया जाएगा। आयोजन को लेकर क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल है। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण का लाभ लेने की अपील की है।

स्कॉर्पियो और ट्रेलर के बीच भिड़ंत, 6 घायल

बलौदाबाजार। जिले में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में ड्राइवर समेत 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां सभी की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई है और जाँच कर रही है। सभी लोग कार में सवार होकर रायपुर जा रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार, यह भीषण सड़क हादसा बलौदाबाजार के टोडोपार में हुई है। यहां तेज रफ्तार स्कॉर्पियो और ट्रेलर में भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। स्कॉर्पियो से भिड़ंत के बाद ट्रेलर सड़क किनारे पलट गया। इस हादसे में स्कॉर्पियो सवार ड्राइवर समेत 6 लोग बुरी तरह घायल हो गए।

हादसे के बाद ड्राइवर गाड़ी के अंदर ही फंसा था, जिसे स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि, कार सवार सभी लोग कसडोल से रायपुर सत्संग में शामिल होने के लिए आ रहे थे। वहीं, इस भीषण सड़क हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। अस्पताल में सभी घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस की टीम जांच में जुटी है कि, ये भीषण सड़क हादसा कैसे हुआ।

खेल मैदान विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण की प्रयोगशाला है - डॉ.अर्चना यादव

केशरी बी एड कॉलेज खोखरा में अंतर-महाविद्यालयीन क्रिकेट प्रतियोगिता का प्रेरक आयोजन

जांजगीर (समय दर्शन)। शिक्षा के साथ-साथ खेलों के क्षेत्र में भी निरंतर उत्कृष्टता की दिशा में अग्रसर केशरी शिक्षण समिति, खोखरा (जांजगीर) ने आज अंतर-महाविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य एवं अनुकरणीय आयोजन कर एक नई प्रेरणा प्रस्तुत की। यह रोमांचक प्रतियोगिता केशरी शिक्षण समिति, खोखरा तथा ज्ञानोदय कॉलेज ऑफएजुकेशन, जांजगीर के मध्य खेली गई, जिसमें विद्यार्थियों ने अनुशासन, परिश्रम, आत्मविश्वास और खेल भावना का सराहनीय परिचय दिया।

इस गरिमामयी आयोजन में मुख्य अतिथि डॉ. अर्चना यादव की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और अधिक बढ़ाया। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती चंचला मिश्रा, प्राचार्या—ज्ञानोदय कॉलेज ऑफएजुकेशन, जांजगीर तथा श्री रितेश पटेल, प्राचार्य—केशरी फार्मेसी कॉलेज, जांजगीर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता केशरी शिक्षण समिति, खोखरा की प्राचार्या डॉ. रेखा तिवारी ने की। उनके साथ महाविद्यालय के समर्पित प्राध्यापकगण—श्रीमती स्वाति कश्यप, श्री जितेंद्र तिवारी,अमित उपाध्याय ,श्रीमती आशा तिवारी एवं सुश्री राखी पाण्डेय, मनोज यादव, कृष्णा सर, तरुणा यादव साहित्य ज्ञानोदय एवं केसरी के समस्त स्टाफका सहयोगी रूप में उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर स्वाति कश्यप के द्वारा मंच संचालन कर स्वागत एवं प्रोत्साहन उद्बोधन के लिए सभी अतिथियों को आमंत्रित किया गया ।जिसमेंअध्यक्षीय संबोधन में डॉ. रेखा तिवारी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का विकास नहीं करता, बल्कि आत्मअनुशासन, नेतृत्व, सहयोग और संघर्षशीलता जैसे जीवनमूल्यों को भी सुदृढ़ करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को जीवन की चुनौतियों के लिए मानसिक रूप से सक्षम बनाते हैं।

मुख्य अतिथि डॉ. अर्चना यादव ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि खेल मैदान विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण की प्रयोगशाला होता है, जहाँ हार-जीत से ऊपर उठकर धैर्य, आत्मबल और परस्पर सम्मान सीखने को मिलता है। विशिष्ट अतिथियों श्रीमती चंचला मिश्रा एवं श्री रितेश पटेल ने भी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास और सकारात्मक सोच ही सफलता की सच्ची कुंजी है।

मैच प्रारंभ होने से पूर्व दोनों टीमों के कप्तानों ने अपने-अपने खिलाड़ियों का परिचय कराया। तत्पश्चात टॉस हुआ, जिसे केशरी शिक्षण समिति, खोखरा की टीम ने जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। खेल के सभी नियम स्पष्ट रूप से बताए जाने के पश्चात प्रतियोगिता आरंभ हुई।

केशरी टीम की शुरुआत अत्यंत प्रभावशाली रही। खिलाड़ियों ने आत्मविश्वास से परिपूर्ण आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए चौकों और छक्कों की शानदार श्रृंखला प्रस्तुत की। निर्धारित 10 ओवरों में केशरी टीम ने 153 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया, जिसने दर्शकों को रोमांच से भर दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ज्ञानोदय कॉलेज की टीम ने भी भरसक प्रयास किया, किंतु केशरी टीम की सशक्त गेंदबाजी और चुस्त क्षेत्ररक्षण के सामने वे 60 रन ही बना सकी।

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने पीएमश्री स्कूल बरमकेला का किया औचक निरीक्षण

पीएमश्री स्कूल के निर्माण कार्य का अवलोकन कर कलेक्टर ने गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए

कलेक्टर ने छात्रों को 10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए दिया मार्गदर्शन

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने बरमकेला के पीएमश्री स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल का शनिवार को औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर ने पीएमश्री में चल रहे निर्माण कार्य का अवलोकन किया और गुणवत्ता के साथ निर्माण को शीघ्र पूर्ण करने निर्देशित किया। कलेक्टर ने विद्यालय के कक्षाओं में अध्ययनरत 10वी 12वी के विद्यार्थियों से रूबरू हुए एवं बोर्ड परीक्षा में भय एवं तनाव मुक्त होकर कैसे प्रश्न पत्र को हल करें। इसके लिए उन्होंने मार्गदर्शन दिया एवं सभी विषयों के महत्वपूर्ण प्रश्नों के उत्तर को अभ्यास कापी में बार बार लिख कर अभ्यास करने को कहा।

निरीक्षण के दौरान डॉ संजय ने 12वी के विद्यार्थियों को अर्धवार्षिक परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर को साझा करने को कहा। इसके साथ ही शिक्षकों को शत प्रतिशत रिजल्ट हेतु सख्त निर्देश दिया। इस अवसर पर नरेश कुमार चौहान डीएमसी, अजय पटेल सीईओ जनपद बरमकेला, कोमल साहू तहसीलदार, मोहन लाल साहू नायब तहसीलदार आदि उपस्थित रहे।

जीरो टॉलरेंस से उलट सच्चाई, जहां देखो वहां रिश्वत का बाजार चल रहा ईएमआई पर

बिलासपुर (समय दर्शन)। सरकार के किसी भी महकमे में कार्यरत कर्मचारी रिश्वत लेता हुआ पकड़ा जाता है तो उसका जेल जाना तय है। इतना ही नहीं पत्रकारों की स्थिति तो इस मामले में बहुत ही गए बीती है। 500 से 2000 रुपए तक के आरोप न केवल लगते हैं बल्कि शिकायतकर्ता थाने तक जाते हैं और पुलिस को एफआईआर करते मिनटों लगता है पर यह सब कहानी अन्य पर लागू होती है। जब लेनदेन का मामला खाकी पर आता है तो निलंबन के पहले भी जांच की बात आती है। रिश्वत लेते हुए अधिकारी का बाइट कोई नहीं डालता पर जब पुलिस वाला पैसा लेते हुए दिखाई देता है तब भी उसका पक्ष पूछ कर समाचार लिखे और लगाए जाते हैं। पैसा लेते हुए मोबाइल पर मस्तूरी पचपेड़ी थाने का एक कर्मचारी का वीडियो वायरल हुआ था। रिश्वत के लिए ईमानदारी इतनी कि पैसा देने वाला अपने घर बुलाता है तब भी खाकी वहां चलकर जाती है। अब ईएमआई लेना है तो इतनी सुविधा तो देनी होगी। 24 घंटे से एक वीडियो और वायरल हो रहा है मामला बिलासपुर के एडिशनल एसपी जायसवाल का है। स्पा संचालक महीना देता था बाद में बंद हो गया वीडियो देखने से पता चलता है कि हर महीने की रकम न मिलने से कैसे कैसे विवाद सामने आ जाते हैं। इस वीडियो में नगद लेनदेन तो नहीं दिखाई देता पर पैसे की बात सुनी जा सकती है। पड़ोसी जिला जांजगीर के एक विधानसभा क्षेत्र का मामला तो और रोचक है। निर्वाचित जनप्रतिनिधि ही सब की तरफसे जिसमें कलेक्टर, एसडीम और थाना शामिल है। बारगेनिंग कर रहा है पूरा मामला हर महीने लाखों में पहुंच रहा था जब ऑडियो वायरल हुआ तो निर्वाचित जन प्रतिनिधि महोदया ने उसे एआई तकनीक वाला बता दिया। पर इस ऑडियो को सुनने के बाद जो सबसे गंभीर बात बहार आई वह यह थी कि जिले के मुखिया को पैसा नहीं कुछ और देखकर सेट किये जाने की बात कही गई थी।

धान, चावल एवं वाहन जब्त, राइस मिलों पर बड़ी कार्यवाही

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। जिले में चावल के अवैध परिवहन की सूचना पर कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार राजस्व एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा सघन जांच एवं छापेमार कार्रवाई की गई।

जिला खाद्य अधिकारी श्री कौशल साहू ने बताया कि 17 जनवरी को केरा स्थित राइस मिल से चावल के अवैध परिवहन की सूचना पर राछा चौक, नवागढ़ में ट्रक क्रमांक ष्ट्त 11 क्च् 7802 को रोका गया। जांच के दौरान ट्रक में 580 बोरा चावल (कुल वजन 290 क्विंटल) भरा पाया गया, जिस पर विष्णु एग्रो मिलिंग इंडस्ट्रीज, सेमरा का टैग लगा हुआ था। चालक द्वारा परिवहन से संबंधित कोई संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका। छत्तीसगढ़ कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन आदेश 2016 के उल्लंघन के कारण उक्त ट्रक (अनुमानित मूल्य 18 लाख रुपए) एवं उसमें भरे 290 क्विंटल चावल (अनुमानित मूल्य 8.70 लाख रुपए) को जब्त कर पुलिस थाना नवागढ़ की अभिरक्षा में सौंपा गया।

साथ ही 17 जनवरी को ही सेमरा स्थित

विष्णु एग्रो मिलिंग इंडस्ट्रीज में जांच की गई। जांच में दस्तावेजों में अनियमितता एवं स्टॉक में गड़बड़ी पाए जाने पर मिल के प्रोपराइटर पंकज देवांगन के कब्जे से 92,607 बोरा धान (वजन 37,042.80 क्विंटल), अनुमानित मूल्य 8.51 करोड़ रुपए, जब्त किया गया।प्रकरण में केरा स्थित स्वस्तिक राइस मिल की संलिप्तता पाए जाने पर दिनांक 18 जनवरी 2026 को संयुक्त टीम द्वारा उक्त मिल की भी जांच की गई। जांच में घोषित स्टॉक की तुलना में 278 क्विंटल धान कम पाया गया तथा वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इस पर मिल के पार्टनर अनुभव देवांगन के कब्जे से 62,325 बोरा धान (वजन 24,930 क्विंटल) अनुमानित मूल्य 5.73 करोड़ रुपए तथा 50 क्विंटल चावल अनुमानित मूल्य 1.50 लाख रुपए जब्त किया गया। उक्त प्रकरणों में संबंधितों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत मामला पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

जैन समाज की आस्था को मिली पहचान, इंटरसिटी एक्सप्रेस बनी 'मूकमाटी एक्सप्रेस'

रेलवे स्टेशन पर हुआ ऐतिहासिक स्वागत, जयकारों से गूंजा परिसर

राजनांदगांव (समय दर्शन)। जैन समाज की वर्षों पुरानी आस्था से जुड़ी मांग को केंद्र सरकार ने स्वीकार कर लिया है। जबलपुर-रायपुर-जबलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस का नाम अब जैन धर्म के प्रसिद्ध ग्रंथ मूकमाटी के नाम पर रखे जाने से समाज में उत्साह का माहौल है। नाम परिवर्तन के बाद जब यह ट्रेन पहली बार राजनांदगांव रेलवे स्टेशन पहुंची, तो यहां ऐतिहासिक और उत्सव जैसा दृश्य देखने को मिला।

ट्रेन के स्टेशन पर पहुंचते ही सैकड़ों की संख्या में मौजूद जैन समाज के लोगों ने जयकारों के साथ स्वागत किया। समाज के पदाधिकारियों ने लोको पायलट का माल्यार्पण कर सम्मान किया और मुंह मीठा कराकर इस उपलब्धि की खुशी साझा की।

धार्मिक, साहित्यिक और दार्शनिक महत्व का प्रतीक

जैन समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि मूकमाटी केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जैन दर्शन, साहित्य और विचारधारा का महत्वपूर्ण स्तंभ है। इस नाम से ट्रेन का संचालन होना पूरे समाज के लिए गौरव और सम्मान की बात है। समाज ने इसके लिए भारत सरकार और रेल मंत्रालय के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सकल जैन

समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी, महिला मंडल, युवा विंग सहित बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को बधाई देते हुए इस निर्णय को ऐतिहासिक बताया। कार्यक्रम में सूर्यकांत जैन, अशोक झंझरी, कोषाध्यक्ष सुदेश जैन, सुशील छाबड़ा, चंद्रकांत जैन, नमिताभ जैन, डीसी जैन, पीसी जैन, अनिल बड़कुल, राजीव जैन, अनिल जैन, अखिलेश जैन, निखिल जैन, रिंकू झंझरी, रविकांत जैन, मनोज वेद, कमलेश वेद, ओम कांकरिया, रोशन गोलछा, अजय सिंगी, विनय डड्ढा, सुरेश गांधी, राकेश जैन, सुधीर जैन, हीरामोती, संतोष पटाक, पूनम जैन, संजय विद्याश्री, अनीश जैन, प्रकाशचंद बाफना, पप्पू भैया, चंद्रेश जैन, पार्षद रानू जैन, रवि सिन्हा, नरेश जैन, पंकज जैन, प्रियेश जैन, सागर जैन, प्रियंक जैन, अंशुल जैन, रवि बुद्धसेन, अक्षय जैन, शैलेश जैन, अविरल सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26